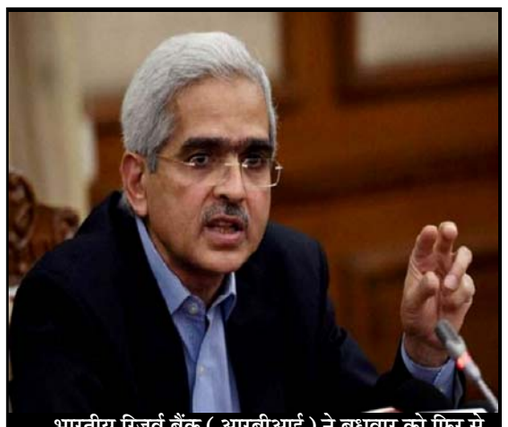

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को फिर से नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की है। गवर्नर शक्तिकांत दास पहले ही इसके संकेत दे चुके थे। महंगाई और महंगे लोन का दौर अभी रेहेगा जारी,

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 176 दिनांक:09-06-2022 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

डराने लगी कोरोना की रफ्तार, फिर हाटस्पाट बनने की राह पर महाराष्ट्र, अकेले मुंबई में 1765 केस

भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट 0.50 फीसदी बढ़ाई

- रेपो रेट की नई दर बढ़कर 4.90 फीसदी हुई, और महंगी हो जाएगी ईएमआई

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को फिर से नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की है। गवर्नर शक्तिकांत दास पहले ही इसके संकेत दे चुके थे। पिछले ही महीने रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में 0.40 फीसदी की बढ़ोतरी की थी और अब इस महीने फिर से 0.50 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। अब रेपो रेट की नई दर 4.90 फीसदी हो गई है। इस बढ़ोतरी के चलते फिर से आपकी ईएमआई महंगी हो जाएगी। रेपो रेट बढ़ने का सीधा सा मतलब है कि रिजर्व बैंक की तरफ से बैंकों को लोन महंगी दर पर मिलेगा। ऐसे में बैंक इस बढ़ोतरी को ग्राहकों तक ट्रांसफर करेंगे और उनके लिए भी कर्ज लेने की दरें महंगी हो जाएंगी। वहीं अगर आपको होम लोन चल रहा है तो उसकी ईएमआई में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। गौरतलब है कि इससे पहले देश में लगातार बढ़ती महंगाई को काबू में करने के लिए मई महीने में आरबीआई ने बिना पूर्व सूचना के एमपीसी की बैठक का आयोजन किया था और इसमें रेपो रेट में 0.40 फीसदी की बढ़ोतरी करने का एलान किया था। इसके बाद ये दरें 2020 से एतिहासिक निचले स्तर यानी चार फीसदी पर रहने के बाद अचानक से 4.40 फीसदी हो गईं। इस इजाफे के बाद आरबीआई गवर्नर ने भी पहले ही संकेत दे दिए थे कि रेपो दरों में जून में होने वाली बैठक में और बढ़ोतरी की जा सकती है। दास ने एमपीसी की बैठक में लिए गए नतीजों का एलान करते हुए कहा कि देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है और वैश्विक घटनाक्रमों के चलते सप्लाई चेन बुरी तरह से प्रभावित हुई है। इस बढ़ती महंगाई को काबू में करने के लिए आरबीआई का सख्त कदम उठाना पड़ा है।

रेपो दरों में बढ़ोतरी के साथ ही आरबीआई ने एमएसएफ को 50 बीपीएस बढ़ाकर 5.15 फीसदी, स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) को बढ़ाकर 4.65 फीसदी कर दिया है। आरबीआई के इस फैसले के बाद लोन लेने वाले ग्राहकों को तगड़ा झटका लगा है, क्योंकि रेपो दरों में वृद्धि के चलते होम, ऑटो और पर्सनल लोन समेत सभी तरह के लोन महंगे हो जाएंगे और ग्राहकों की ईएमआई में इजाफा हो जाएगा। गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि जिस तक के भू-राजनैतिक हालात पैदा हुए हैं, इनके बीच इस तरह का फैसला लेना बेहद जरूरी था।

जल्द हो सकती है राष्ट्रपति चुनाव की घोषणा

नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनाव आयोग आने वाले कुछ दिनों में ही राष्ट्रपति चुनाव की घोषणा कर सकता है। मौजूदा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को खत्म होने जा रहा है। संविधान के अनुच्छेद 62 के मुताबिक नए राष्ट्रपति के चुनाव से पहले मौजूदा राष्ट्रपति का कार्यकाल खत्म होना चाहिए। राष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों के सदस्यों के साथ ही सभी राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और केंद्र शासित राज्य पुडुचेरी विधानसभा के सदस्य वोट कर सकते हैं। हालांकि राज्यसभा, लोकसभा या विधानसभाओं के मनोनीत सदस्यों को राष्ट्रपति चुनाव में वोट डालने का हक नहीं हैं। इसी तरह राज्यों की विधान परिषदों के सदस्यों को भी राष्ट्रपति चुनाव में शामिल होने का हक नहीं है। इससे पहले 17 जुलाई 2017 को राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए वोट डाले गए थे और वोटो की गिनती 20 जुलाई को की गई थी और रामनाथ कोविंद राष्ट्रपति चुने गए थे। 25 जुलाई 2017 को उन्होंने अपना पदभार ग्रहण किया था। वह देश के 14वें राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित हुए हैं। राष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग करने वाले निर्वाचन मंडल भी अहम माना जाता है। निर्वाचन मंडल में राजनीतिक गठबंधनों कांग्रेस की लीडरशिप वाले यूपीए गठबंधन के पास लगभग 23 फीसदी वोट है। उधर सत्तारूढ बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के पास करीब 49 फीसदी वोट हैं।

खरीफ फसल पर एमसीपी बढ़ाने की मंजूरी, गेहूं के निर्यात की भी मिलेगी हरी झंडी!

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार ने खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसव) को बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने 2022-23 फसल वर्ष के लिए धान के एमएसपी को 100 रुपये बढ़ाकर 2,040 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। इसी तरह कई अन्य खरीफ फसलों पर भी एमएसपी बढ़ा दी गई है। मोदी सरकार के इस फैसले से किसानों को बड़ी राहत मिलने वाली है।

कैबिनेट की बैठक में हुए फैसले की जानकारी देकर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया, बुवाई के समय एमएसपी की जानकारी होने से किसानों का मनोबल भी बढ़ता है और उन्हें फसल के दाम भी अच्छे मिलते हैं। ठाकुर ने बताया कि इस बार खरीफ की सभी 14 फसलों और उनकी वैरायटीज सहित 17 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की गई है।

इसके अलावा, मोदी सरकार जल्द ही व्यापारियों को लगभग 1.2 मिलियन टन गेहूं बाहर भेजने की अनुमति देने पर विचार कर सकती है। दरअसल पिछले महीने गेहूं के निर्यात पर अचानक प्रतिबंध के बाद से कई बंदरगाह पर कार्गो फंसे हुए हैं। इस सरकार साफ करना चाहती है। हालांकि, सरकार की अनुमति के बावजूद लगभग 5 लाख टन गेहूं अलग-अलग बंदरगाह पर रह जाएंगे, इसकारण व्यापारियों को निर्यात परमिट नहीं मिल पाना है। आपको बता दें कि केंद्र ने 14 मई को गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, पहले से जारी क्रेडिट और उन देशों को विदेशी शिपमेंट की अनुमति देने की छूट है जो अपनी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए आपूर्ति का अनुरोध करते हैं।

कांग्रेस 13 जून को ईडी के समक्ष राहुल गांधी की पेशी के दौरान बड़े स्तर पर शक्ति प्रदर्शन की तैयारी में

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेसी 13 जून को प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष राहुल गांधी की पेशी के दौरान बड़े स्तर पर शक्ति प्रदर्शन की तैयारी में है। कथित धनशोधन के मामले में ईडी की ओर से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को 13 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ईडी ने इससे पहले राहुल गांधी को दो जून को पेश होने को कहा था, लेकिन उन्होंने पेश होने के लिए कोई दूसरी तारीख देने का अनुरोध करते हुए कहा था कि वह देश से बाहर हैं।

अब पार्टी के सांसदों को दिल्ली बुलाया गया है। सूत्रों ने बताया कि पार्टी ने गुरुवार को पार्टी महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश कांग्रेस समितियों के अध्यक्षों की डिजिटल बैठक भी बुलाई है जिसमें राहुल गांधी और सोनिया गांधी की ईडी के समक्ष पेशी के संदर्भ में चर्चा हो सकती है।

कांग्रेस सूत्रों ने कहा, ''गुरुवार शाम पार्टी महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों की ऑनलाइन बैठक बुलाई गई है जिसमें ईडी से जुड़े मामले और संगठन से जुड़े कुछ अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है। ''सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने अपने सांसदों से भी कहा है कि वे 13 जून की सुबह दिल्ली में मौजूद रहें।

सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी की ईडी के समक्ष पेशी पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, सांसदों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के मौजूद रहने की संभावना है। ईडी ने 'नेशनल हेराल्ड' से जुड़े कथित धनशोधन मामले में सोनिया गांधी को आठ जून को पेश होने के लिए नोटिस दिया था, हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष ने पेश होने के लिए और समय मांगा है, क्योंकि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हैं तथा अब तक स्वस्थ नहीं हुई हैं।

मुंबई में एक दिन में नए कोरोना मामलों में 42 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई में बुधवार को कोरोना वायरस के संक्रमण के 1765 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इस प्रकार एक दिन में नए मामलों में 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज़ की गयी। ये मामले 25 जनवरी के बाद से सबसे ज्यादा हैं। वहीं मुम्बई में संक्रमण दर बढ़कर 9.19 फीसदी हो गई है। मुंबई में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,242 नए मामले सामने आए थे। वहीं सोमवार को, मुबई में कोविड-19 के 676 मामले दर्ज किए गए थे। मुंबई में जून के महीने में कोरोना के मामलों में तेजी देखने को मिल रही है।

इस बीच देशभर में बुधवार को कोरोना के नए मामलों में भारी उछाल आया है। जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के दौरान देश भर में 5,233 नए केस दर्ज किए गए। बीते दिन 3,714 मामले सामने आए थे। इस लिहाज से देखा जाए तो आज कोरोना के नए मामलों में लगभग 41ङ्क का उछाल आया है। वहीं पिछले 24 घंटे में कोरोना की वजह से 7 लोगों की मौत हुई है।

इधर विमानन नियामक डीजीसीए ने बुधवार को कहा कि एयरलाइन कंपनियों को ऐसे किसी यात्री को प्रस्थान से पहले विमान से नीचे उतार देना चाहिए, जो चेतावनी के बाद भी विमान के अंदर मास्क पहनने से इनकार करता है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक परिपत्र में कहा कि इसके अलावा, हवाईअड्डा संचालकों को स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की मदद लेनी चाहिए और फेस मास्क नहीं पहनने वालों पर जुर्माना लगाना चाहिए।''

अगले साल से दिल्ली-एनसीआर में कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

नई दिल्ली (ईएमएस)। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक जनवरी, 2023 से पूरे दिल्ली-एनसीआर में औद्योगिक, घरेलू और अन्य कार्यों में कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, ताप बिजली संयंत्रों में कम सल्फर वाले कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध से छूट दी गई है। सीएक्यूएम ने 3 जून के आदेश में कहा कि कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध एक अक्टूबर से पीएनजी बुनियादी ढांचे और आपूर्ति वाले क्षेत्रों में तथा एक जनवरी, 2023 से उन क्षेत्रों में लागू होगा जहां पीएनजी आपूर्ति अब भी उपलब्ध नहीं है। सीएक्यूएम ने कहा, अगले साल एक जनवरी से पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ईंधन के रूप में कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।''

आसमान से बरस रही आग, अभी राहत की कोई उम्मीद नहीं

आगरा(ईएमएस)। आगरा में इन दिनों आसमान से सूरज आग बरसा रहा है। सूरज देवता आगरा वासियों से मानों नाराज हों, इसलिए अपने तेवर खूब बढ़ा रहे हैं। फिलहाल गर्मी से कोई राहत मिलने की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है।दोपहर में क्त सड़कों पर सन्नाटा रहता है। जरूरी काम होने पर ही लोग बाहर निकल रहे हैं। बीते दिनों आगरा का तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था। पिछले दिनों आगरा का नाम सबसे ज्यादा गर्म शहरों में शुमार था। ऐसे में दिक्कत सबसे ज्यादा उन लोगों को होती है जिन्हें दोपहर में किसी काम से बाहर निकलना होता है।

वैसे तो गर्मी सुबह 8:00 बजे से ही शुरू हो जाती है, लेकिन दोपहर होते-होते गर्म हवाएं लू में बदल जाती हैं। 10:00 बजे के बाद से तो धूप चुभने लगती है। दिन चढ़ने के साथ ही पारा भी खूब चढ़ता है। दोपहर में लू चलने लगती है जो लोगों को खूब परेशान करती है। ऐसे में लोगों का बाहर निकलना दूभर हो गया है। हालांकि लोग घर से बाहर निकलते वक्त पूरी सुरक्षा का ध्यान रखते हैं। शरीर और चेहरे को ढक कर बाहर निकलते हैं, लेकिन गर्मी अपना पूरा काम कर रही है। मौसम वैज्ञानिकों का पूर्वानुमान है कि इस हफ्ते गर्मी अपने पूरे तेवर में होगी। फिलहाल के दिनों में गर्मी से राहत मिलने का कोई अनुमान नहीं है। साफ कहा जा सकता है कि लू के थपेड़े अभी लोगों को खूब परेशान करेंगे। फिलहाल गर्मी से बचने के लिए एक्सपर्ट्स के सुझाए हुए नियमों का पालन करें।

जम्मू कश्मीर में दो मुठभेड़ों में मारे गए 3 आतंकी, इनमें एक पाकिस्तानी

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा और शोपियां जिलों में सुरक्षा बलों के साथ दो अलग-अलग मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए थे। इनमें से एक पाकिस्तानी नागरिक है। पुलिस ने बताया कुपवाड़ा मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो आतंकवादी मारे गए, जबकि शोपियां में अभियान में हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) का एक आतंकवादी मारा गया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कुपवाड़ा के कंडी इलाके में आतंकवादियों की गतिविधियों की सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने घेराबंदी कर संयुक्त विशेष तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों पर गोलियां बरसानी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई शुरू की और मुठभेड़ शुरू हो गयी। प्रवक्ता ने बताया कि मुठभेड़ में एक विदेशी समेत दो आतंकवादी मारे गए और उनके शव घटनास्थल से बरामद किए गए हैं।

आतंकवादियों की पहचान त्राल निवासी इश्तियाक अहमद लोन और पाकिस्तान के लाहौर निवासी तुफैल के रूप में हुई है, दोनों प्रतिबंधित आतंकी समूह लश्कर से जुड़े थे। प्रवक्ता ने कहा कि ऐसा माना जाता है कि वह सोमवार को सोपोर के जालूर इलाके में एक ऑपरेशन के दौरान फरार आतंकवादियों से ये मुलाकात करने वाले थे। उन्होंने कहा ज़ालूर अभियान में लश्कर का एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया, जबकि तीन अन्य मौके से फरार हो गए।

मुठभेड़ स्थल से आपत्तिजनक सामग्री और दो एके-सीरीज राइफल सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। प्रवक्ता के अनुसार अन्य छिपे हुए आतंकवादियों को पकड़ने के लिए इलाके में तलाशी अभियान अब भी जारी है। प्रवक्ता ने कहा कि सुरक्षाकर्मियों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां के बदीमर्ग-अलौरा इलाके के बागानों में एक आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में विशेष सूचना मिलने के बाद एक और अभियान शुरू किया।

उन्होंने बताया जैसे ही सुरक्षाकर्मी मौके की ओर बढ़े और छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। उन्होंने कहा सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी मारा गया। उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकवादी की पहचान कुलगाम के अशमुजी निवासी नदीम अहमद उर्फ कामरान के रूप में की गई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, 2020 से सक्रिय नदीम हाल ही में लश्कर से हिजबुल मुजाहिदीन में प्रवेश किया था।

मुठभेड़ स्थल से एक एके राइफल और एक एसएलआर सहित आपत्तिजनक सामग्री और हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि बरामद सभी सामग्रियों को आगे की जांच के लिए मामले के सबूत के तौर पर शामिल कर लिया गया है।

बेंगलुरु में पकड़ा गया हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकवादी

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर पुलिस और बेंगलुरु सिटी पुलिस ने एक संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर हिजबुल मुजाहिदीन का एक शीर्ष कमांडर है। सुरक्षाबलों ने मंगलवार को इसका खुलासा किया। कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र के कार्यालय के अनुसार, गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान तालिब हुसैन के रूप में हुई है और उसे जम्मू-कश्मीर में हिंदुओं की टारगेट किलिंग के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, तालिब हुसैन अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जम्मू-कश्मीर से भाग गया था। सुरक्षाबलों ने उसकी तलाश तेज कर दी थी। वह बेंगलुरु में छिपा हुआ था। तालिब ने कथित तौर पर यहां श्रीरामपुरा की एक मस्जिद में शरण ली हुई थी और वह जुमे की नमाज के दौरान धार्मिक उपदेश दिया करता था। इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बेंगलुरु से तालिब हुसैन की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। बोम्मई ने संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा, ठहां, संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया है।ठ उन्होंने कहा, ठआम तौर पर पुलिस उसके जैसे लोगों पर नजर रखती है। जम्मू-कश्मीर पुलिस को जो भी सहायता की आवश्यकता होगी, हम प्रदान करेंगे। इससे पहले भी सिरसी और भटकल में ऐसी गिरफ्तारियां हुई थीं।ठ बोम्मई ने कहा, ठजम्मू- कश्मीर पुलिस ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है।

नेपाली फिल्म कबड्डी का सिक्किम के कई इलाकों में बौद्ध धर्म के लोग कर रहे विरोध

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेपाली फिल्म कबड्डी 4 को लेकर सिक्किम के कई इलाकों में बौद्ध धर्म के लोग विरोध कर रहे हैं। प्रदेश में इस फिल्म को रिलीज नहीं करने का आग्रह किया है। बता दें कि नेपाली फिल्म कबड्डी 4 का नेपाल में भी विरोध हो रहा है। सिक्किम लामा एसोसिएशन ने कहा कि वह सिक्किम के मुख्यमंत्री पीएस तमांग से गंगटोक और नामची में फिल्म को रिलीज होने से रोकने के लिए बात करने वाले हैं। उन्होंने राज्य के संस्कृति मंत्री को पत्र लिखकर इसकी मांग करने का भी फैसला किया है। सिक्किम के बौद्ध धर्मगुरु ओंडी पिंटो ने कहा कि अगर फिल्म रिलीज होती है, तब लामा सड़कों पर उतरने वाले हैं, और अगर हॉल में तोड़फोड़ की जाती है, तब हम जिम्मेदार नहीं होने वाले हैं।

पिंटो ने कहा कि फिल्म कबड्डी 4 में दयांग राय द्वारा निभाए गए लामा के किरदार ने सभी लामाओं की आस्था पर हमला किया है। उन्होंने कहा, वास्तव में, बौद्ध धर्म और भिक्षुओं के साथ अन्याय किया गया है। इसके खिलाफ आवाज उठाना सभी के लिए जरूरी है। हम चाहते हैं कि विवाद का समाधान नेपाल में भी हो। वहीं कबड्डी 4 की अभिनेत्री मिरुना मगर द्वारा कथित तौर पर साधु को थप्पड़ मारने के बाद फिल्म के पोस्टर जला दिए गए, जिसने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया था। 24 वर्षीय साधु फुरबा तमांग को पिछले हफ्ते गिरफ्तार किया गया था, जब उन्होंने काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी-11 के सिविल मॉल में फिल्म के प्रचार कार्यक्रम के दौरान गलत तरीके से अभिनेत्री को छुआ था। कबड्डी 4 को मूवी हॉल में प्रदर्शित नहीं करने का आह्वान किया गया क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि तमांग को रिहा किया जाए, लेकिन अभिनेत्री बिना शर्त माफी मांगे।

सोनिया गांधी ने प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश होने के लिए तीन सप्ताह का वक्त मांगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश होने के लिए तीन सप्ताह का वक्त मांगा है। ज्ञात रहे कि सोनिया कुछ दिन पहले कोरोना संक्रमित हो गई थीं और उनकी जांच रिपोर्ट अब तक निगेटिव नहीं आई है। बता दें प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी को समन भेजा था।

गौरतलब है कि कोविड पॉजिटिव होने के बाद सोनिया इस समय आइसोलेशन में हैं, उन्हें मंगलवार को जांच एजेंसी के समक्ष पेश होना था, लेकिन उन्होंने कोविड के मद्देनजर अतिरिक्त समय मांगा है। कांग्रेस प्रमुख का कहना है कि डॉक्टर की ओर से मंजूरी मिलने के बाद ही वे बाहर निकल सकती हैं। कथित धनशोधन (मनी लांड्रिंग) के इसी मामले में ईडी की ओर से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को 13 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ईडी ने इससे पहले राहुल को दो जून को पेश होने को कहा था, लेकिन उन्होंने पेश होने के लिए कोई दूसरी तारीख देने का अनुरोध किया था। राहुल ने बताया था कि वह देश से बाहर हैं।

राहुल गांधी पिछले सप्ताह ही स्वदेश लौटे हैं।

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू समेत कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने साल 1938 में एसोसिएट्स जर्नल्स लिमिटेड नाम से एक कंपनी बनाई थी, जो नेशनल हेराल्ड नाम से एक अखबार प्रकाशित करती थी। ये कंपनी अखबार प्रकाशित करती थी, इसलिए इसे कई शहरों में सस्ते दामों पर सरकारों से जमीनें मिली थीं। सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर आरोप है कि इन्होंने यंग इंडिया लिमिटेड कंपनी बनाई, जिसका मकसद कारोबार करना नहीं था, बल्कि वो इस कंपनी के जरिए एसोसिएट्स जर्नल्स लिमिटेड को खरीदकर उसकी 2 हज़ार करोड़ रुपये की संपत्ति को अपने नाम पर करना चाहते थे। साल 2011 में ऐसा ही हुआ। उस समय सोनिया और राहुल की कंपनी यंग इंडिया लिमिटेड ने एसोसिएट्स जर्नल्स लिमिटेड को टेकओवर कर लिया।

आतंकियों के आगे मत झुको पैगंबर विवाद पर डच सांसद ने फिर दी भारत को सलाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। पैगंबर मोहम्मद पर नूपुर शर्मा की टिप्पणी पर लगातार विवाद जारी है। कई अरब देश इस मसले पर भारत से आपत्ति जाहिर कर रहे हैं। यही नहीं इस बीच आतंकी संगठन अलकायदा ने भारत में आतंकवादी हमले करने की धमकी दी है। इस बीच भारत को नीदरलैंड के सांसद गीर्ट विल्डर्स का समर्थन मिला है। उन्होंने अलकायदा की धमकी के बाद एक बार फिर से ट्वीट किया है और भारत से कहा है कि उसे आतंकवादियों के आगे झुकना नहीं चाहिए। गीर्ट विल्डर्स ने ट्वीट किया, 'अलकायदा जैसे इस्लामिक आतंकवादियों के आगे मत झुको। वे बर्बरता का प्रतिनिधित्व करते हैं। यही नहीं उन्होंने लिखा कि पूरे भारत को नूपुर शर्मा का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'पूरे भारत को नूपुर शर्मा के साथ होना चाहिए और समर्थन करना चाहिए। कई साल पहले अलकायदा और तालिबान ने मुझे अपनी हिट लिस्ट में रखा था। एक ही सीख है- आतंकवादियों के आगे कभी मत झुको। कभी नहीं!' उन्होंने यह भी कहा कि नूपुर शर्मा ने सही बात कही थी और उनके बयान पर इस्लामिक देशों का गुस्सा जायज नहीं है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा था, 'तुष्टीकरण कभी काम नहीं करता है। इससे सिर्फ चीजें और भी खराब हो जाएंगी। आजादी के लिए खड़े हों और अपनी नेता नूपुर शर्मा का साथ दें। उन्होंने इस मसले पर विरोध जताने वाले देशों को ढोंगी बताया। उन्होंने कहा कि इन देशों में न तो लोकतंत्र है और न ही कानून का शासन है। किसी भी तरह की आजादी नहीं है और और अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न किया जाता है। मानवाधिकारों की कोई सुनवाई वहां नहीं होती है। गीर्ट विल्डर्स नीदरलैंड के दक्षिणपंथी नेता हैं। उन्होंने नीदरलैंड में पार्टी फॉर फ्रीडम की स्थापना की थी। यह दल नीदरलैंड की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। यही नहीं 1998 से ही विल्डर्स नीदरलैंड की संसद में हैं। वह इस्लामिक देशों के तीखे आलोचकों में शुमार किए जाते हैं।

कार्टून कोना

आप लोगों को बेवकूफ बनाना बंद करें बीजेपी पर ममता बनर्जी का तंज

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अलीपुरद्वार में कहा कि बीजेपी चुनावों से पहले बड़े-बड़े वादे करती है, जिनका चुनाव समाप्त होते ही कहीं अता-पता नहीं होता। सीएम बोलीं कि बीजेपी चुनाव से पहले लोगों को मूर्ख बनाने के लिए अलग राज्य, कल्याणकारी योजनाओं का वादा करती है। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि चाय बागानों का आपने वादा किया, व्यस्त प्रधानमंत्री जी, वो कहा हैं? आदिवासी समुदायों के लिए चिंता कहां है? ममता बनर्जी ने कहा कि चुनाव खत्म होते ही आपके वादे और चिंताएं गायब होती दिख रही हैं। अब समय आ गया है कि आप लोगों को बेवकूफ बनाना बंद करें। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हासीमारा में सामूहिक विवाह समारोह में हिस्सा लिया और पारंपरिक नृत्य किया। वहीं इससे पहले बीजेपी के कुछ नेताओं द्वारा पश्चिम बंगाल को काटकर अलग राज्य बनाने की मांग के मद्देनजर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि राज्य को विभाजित करने की कोशिशों को विफल करने के वास्ते जरूरत पड़ने पर वह अपना खून तक बहाने के लिए भी तैयार हैं। ममता ने बीजेपी पर 2024 के आम चुनाव से पहले राज्य में ''अलगाववाद'' को बढ़ावा देने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर बंगाल में सभी समुदाय के लोग दशकों से एक-दूसरे के साथ मिलकर रह रहे हैं, लेकिन बीजेपी लोगों को बांटने की कोशिश कर रही है। ममता बनर्जी ने कहा कि लोकसभा चुनाव करीब आने के साथ ही बीजेपी अलग राज्य की मांग को हवा दे रही है। बीजेपी कभी गोरखालैंड की मांग कर रही है, तो कभी अलग उत्तर बंगाल की मांग कर रही है। मैं जरूरत पड़ने पर अपना खून तक बहाने के लिए तैयार हूं, लेकिन राज्य को कभी विभाजित नहीं होने दूंगी।

मास्टरमाइंड हयात जफर हाशमी के खाते से 3 साल में हुआ 47 करोड़ 68 लाख का लेनदेन

विदेश से फंडिंग की जा रही

कानपुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जनपद में 3 जून को नई सड़क इलाके में हुई हिंसा में पुलिस की कार्रवाई के बाद एक के बाद एक खुलासे हो रहे हैं। अब आशंका हैं कि मास्टरमाइंड हयात जफर हाशमी और उसके साथियों को विदेश से फंडिंग की जा रही थी। सूत्रों के हवाले से मिल रही खबर के मुताबिक 2019 से हाशमी को विदेशों से फंडिंग हो रही थी। एक प्राइवेट बैंक में 2019 को एक खाता खोला गया। बैंक के अकाउंट नंबर 50014717838 में 30 जुलाई 2019 की तिथि में तीन करोड़ 54 लाख रुपये जमा किए गए। सितंबर 2021 को 98 लाख रुपया एक मुश्त निकाला गया। अभी खाते में एक करोड़ 27 लाख रुपये पड़े हैं।

इसतरह अन्य दो और खातों की जानकारी जांच एजेंसियों को मिली है। इन खातों में महज दो तीन सालों में 47 करोड़ 68 लाख रुपयों का लेन देन हुआ है। अब इन खातों में महज साढ़े 11 लाख ही बचा है, जबकि ये खाते 2019 में ही खोले गए थे। जल्द ही प्रवर्तन निदेशायल इस मामले की जांच करेगा। इसके अलावा बुधवार को कानपुर पुलिस ने हाशमी की रिमांड भी मांगी है। अब तक मामले में 50 आरोपियों की गिरफ़्तारी हो चुकी हैं।

इस बीच सोशल मीडिया ग्रुप भी सामने आया है, जिसमें लोगों को भड़काने की कोशिश की जा रही है। कानपुर हिंसा मामले में जहां पुलिस सख्ती से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, वहीं फिर सोशल मीडिया के माध्यम से हिंसा भड़काने वाले लोग व्हाट्सएप ग्रुप पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहे हैं। हिंसा भड़काने के मामले में आरोपी नदीम कुरैशी के नाम से यह व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। इस ग्रुप में समाजवादी पार्टी के 2 विधायकों हाजी इरफान सोलंकी जो सीसामऊ से विधायक हैं और अमिताभ बाजपेयी जो आर्य नगर विधानसभा से विधायक हैं, उनके समेत सपा जिला अध्यक्ष इमरान को एडमिन बनाकर ग्रुप में एक धर्म विशेष के खिलाफ अभियान चलाते हुए उनकी दुकानों से सामान ना खरीदने का ऐलान किया गया है। अब व्हाट्सएप ग्रुप से शेयर किए गए आपत्तिजनक स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसका संज्ञान सोशल मीडिया पर कार्रवाई करने वाली एसआईटी टीम ने लिया है।

व्हाट्सएप ग्रुप के मामले में सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी ने कहा कि कोई भी मुझे ग्रुप एडमिन बना सकता है। मैं अभी तक चुप था क्योंकि पुलिस अपना काम कर रही है। मैं आज पुलिस कमिश्नर से मिलकर निर्दोषों के खिलाफ कार्रवाई न हो इसकी मांग की जाएगी। दरअसल, आज दोनों विधायकों के खिलाफ एक पोस्टर भी लगाए गए थे। सपा विधायक ने इस बीजेपी की साजिश करार दिया।

जन हितैषी

कश्मीर में आतंक

कश्मीर घाटी में अचानक से सक्रिय हुए आतंकियों ने सेना से लेकर सरकार तक की टेंशन बढ़ा दी है। आतंकी गतिविधियों में तेजी कई बातों की ओर इशारा कर रही है और यह किसी एक घटना या फैसले से प्रेरित कतई नहीं है। धारा-370 हटाए जाने के बाद पाकिस्तान की तरफ से जिस तरह की आपाधापी दिखाई गई और आज भी गाहे-बगाहे उसका कश्मीर प्रेम दिखता है, वह आतंकियों को सुरक्षित रास्ता मुहैया करा रहा है। जम्मू-कश्मीर में सोमवार रात से चल रहे दो एनकाउंटर में 3 आतंकी ढेर हुए। सोपोर जिले के जालूरा इलाके में रात 10 बजे लश्कर-ए-तैयबा का एक और कुपवाड़ा में सुबह दो आतंकी मारे गए। तीन में से दो आतंकी पाकिस्तानी थे, जबकि एक लोकल। दूसरी ओर बीएसएफ ने सोमवार रात ही कनाचक के दयारान में नजर आए एक ड्रोन पर गोलियां चलाईं। रात करीब 11 बजे हुई फायरिंग के बाद ड्रोन से जुड़े पेलोड को नीचे लाया गया। पेलोड में बच्चों के टिफिन बॉक्स के अंदर 3 मैग्नेट आईईडी थे। जिनमें टाइमर सेट था। आतंकियों की एकदम से सामने आई हरकत भारत की उस चिंता पर भी मुहर लगा रही है जो उसने अफगानिस्तान को लेकर जताई थी। भारत लंबे समय से जिस खतरे की ओर संकेत करता आया है, वह अब हकीकत में दिखने भी लगा है। पिछले साल अगस्त में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद भारत ने आशंका जताई थी कि यह मुल्क आतंकी संगठनों का नया गढ़ बन सकता है। भारत की यह आशंका बेबुनियाद नहीं थी। सबसे बड़ा कारण तो यही कि तालिबान को सत्ता तक पहुंचाने में पाकिस्तान ने जिस तरह की भूमिका अदा की और उसकी हर तरह से मदद की, उससे तभी साफ हो चला था कि अफगानिस्तान को आतंकी संगठनों का नया ठिकाना बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। भारत ही नहीं, अमेरिका सहित दुनिया के तमाम देश और खासतौर से अफगानिस्तान से सटे मुल्क भी यहां अलकायदा, जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों की जड़ें मजबूत होने से चिंतित हैं। अब अफगानिस्तान में जैश और लश्कर जैसे आतंकी संगठनों को जमीन मिल गई है तो उसका असर कश्मीर में दिखना स्वाभाविक है। अभी भी कश्मीर घाटी में आतंकवाद फैलाने में यही दोनों गुट ज्यादा सक्रिय हैं। तालिबान के सत्ता में आने के बाद से ही भारत कहता भी रहा है कि अफगानिस्तान की जमीन पर तैयार होने वाले लड़ाकों का इस्तेमाल कश्मीर में किया जा सकता है। भारत ने तालिबान की सरकार को मान्यता इसीलिए नहीं दी थी कि वह पहले यह वादा करे कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल आतंकवादी तैयार करने में नहीं किया जाएगा। लेकिन अब तक अफगानिस्तान की ओर से ऐसा कोई संकेत कहां मिला है! बल्कि अब तो यही सामने आ गया है कि जैश और लश्कर के लड़ाके उसी की जमीन पर तैयार हो रहे हैं। भारत अब भी अफगानिस्तान को संकट से उबारने पर जोर दे रहा है और इसके लिए कोशिशों में जुटा है, ताकि उसकी जमीन से भारत पर खतरा न बढ़ने पाए, मगर अभी तो भारत की यह कोशिश विफल है।

मां गंगा के अवतरण का पर्व है 'गंगा दशहरा'

जिस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था,उस पवित्र दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए भागीरथ गंगा को पृथ्वी पर लेकर आए थे।जिसके लिए उन्होंने कठिन तपस्या भी की थी। गंगा दशहरा पर हर वर्ष गंगा में आस्था की डुबकी लगाई जाती हैं। ऐसा कहते हैं कि इस दिन गंगा में स्नान करने से 10 प्रकार के पाप मिट जाते हैं।इस बार गंगा दशहरा पर दो शुभ संयोग बन रहे हैं। गंगा दशहरा पर रवि योग बन रहा है। इस दिन सूर्योदय के साथ ही रवि योग भी शुरू हो जाएगा। इस शुभ योग में पूजा-पाठ और मांगलिक कार्यों को करना बहुत ही शुभ माना जाता है।गंगा ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को हस्त नक्षत्र में धरती पर अवतरित हुई थी। इस बार हस्त नक्षत्र 9 जून को सुबह 4 बजकर 31 मिनट से प्रारंभ होकर 10 जून को सुबह 4 बजकर 26 मिनट तक रहेगा।यही गंगा स्नान का सबसे उपयुक्त मूहर्त है।गंगा में डुबकी लगाते समय 'ऊँ नमः शिवायै नारायणयै दशहरायै गंगायै नमः' मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। घर में नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान किया जा सकता हैं।

गंगा दशहरा के दिन दान करने का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन दान-धर्म के कार्य करना बहुत ही शुभ माना जाता है। दशहरा का अर्थ 10 मनोविकारों के विनाश से है। ये दस मनोविकार हैं-क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी।जिनसे मुक्ति के लिए ज्ञान गंगा का स्नान करने से हम विकारमुक्त होकर पवित्र बन सकते है। राजा भागीरथ की कठोर तपस्या, उनके अथक प्रयास और परिश्रम से इसी दिन गंगा ब्रह्मा जी के कमंडल से निकलकर शिव की जटाओं में विराजमान हुई थी और शिवजी ने अपनी शिखा को खोल कर गंगा को धरती पर जाने की अनुमति दी थी। इसलिए गंगा के धरा अवतरण दिवस को गंगा दशहरा के नाम से जाना जाता है।

गंगा दशहरा के दिन प्रातः काल गंगा में स्नान करके मां गंगा की आरती करने से समस्त पापों का विनाश हो जाने की धार्मिक मान्यता है। गंगा का जल हमेशा पवित्र व गुणकारी होता है,उसमें कभी भी कीड़े नहीं पड़ते और इसका जल प्रदूषित नहीं होता । इसलिए इस जल में स्नान करने से रोगों का विनाश हो जाता है।

गंगा दशहरा के दिन स्नान, ध्यान और तर्पण करने से शरीर शुद्ध और मानसिक विकारों से मुक्त हो जाता है।अमृत दायिनी मां गंगा के स्पर्श मात्र से ही चराचर जीवो के पापों का अंत हो जाता है और उसे मुक्ति मिल जाती है। कहते है कि एक बार महाराज सगर ने एक बड़ा यज्ञ किया। उस यज्ञ की रक्षा का भार उनके पौत्र अंशुमान ने संभाला। इंद्र ने सगर के यज्ञीय अश्व का अपहरण कर लिया। यह यज्ञ के लिए विघ्न था। परिणाम स्वरूप अंशुमान ने सगर की साठ हजार प्रजा लेकर अश्व को खोजना शुरू कर दिया। सारा भूमंडल खोज लिया पर अश्व नहीं मिला।फिर अश्व को पाताल लोक में खोजने के लिए पृथ्वी को खोदा गया। खुदाई पर उन्होंने देखा कि साक्षात् भगवान 'महर्षि कपिल' के रूप में तपस्या कर रहे हैं। उन्हीं के पास महाराज सगर का अश्व घास चर रहा है। प्रजा उन्हें देखकर 'चोर-चोर' चिल्लाने लगी।

महर्षि कपिल की समाधि टूट गई। ज्यों ही महर्षि ने अपने आग्नेय नेत्र खोले, त्यों ही सारी प्रजा भस्म हो गई। इन मृत लोगों के उद्धार के लिए ही महाराज दिलीप के पुत्र भगीरथ ने कठोर तपस्या की थी।भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने उनसे वर मांगने को कहा तो भगीरथ ने 'गंगा' की मांग की।इस पर ब्रह्मा ने कहा- 'राजन! तुम गंगा का पृथ्वी पर अवतरण तो चाहते हो? परंतु क्या तुमने पृथ्वी से पूछा है कि वह गंगा के भार तथा वेग को संभाल पाएगी? मेरा विचार है कि गंगा के वेग को संभालने की शक्ति केवल भगवान शंकर में है। इसलिए उचित यह होगा कि गंगा का भार एवं वेग संभालने के लिए भगवान शिव का अनुग्रह प्राप्त कर लिया जाए।'

महाराज भगीरथ ने वैसा ही किया। उनकी कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी ने गंगा की धारा को अपने कमंडल से छोड़ा। तब भगवान शिव ने गंगा की धारा को अपनी जटाओं में समेटकर जटाएं बांध लीं। इसका परिणाम यह हुआ कि गंगा को जटाओं से बाहर निकलने का पथ नहीं मिल सका।अब महाराज भगीरथ को और भी अधिक चिंता हुई। उन्होंने एक बार फिर भगवान शिव की घोर तपस्या शुरू की। तब कहीं जाकर भगवान शिव ने गंगा की धारा को मुक्त करने का वरदान दिया। इस प्रकार शिवजी की जटाओं से छूट कर गंगाजी हिमालय की घाटियों में कल-कल निनाद करके मैदान की ओर आईइस प्रकार भगीरथ पृथ्वी पर गंगा का वरण करके बड़े भाग्यशाली हुए। उन्होंने जनमानस को अपने पुण्य से उपकृत कर दिया। युगों-युगों तक बहने वाली गंगा की धारा महाराज भगीरथ की साधना की गाथा कहती है। गंगा प्राणीमात्र को जीवनदान ही नहीं देती, मुक्ति भी देती है। इसी कारण भारत तथा विदेशों तक में गंगा की महिमा गाई जाती है और गंगा के अवतरण की याद में गंगा दशहरा मनाया जाता है। (लेखक - डॉ. श्रीगोपाल नारसन/ईएमएस)

बदनाम अगर होंगे तो क्या नाम न होगा?

अपनी पीठ थपथपाने में महारत रखने वाली सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा आये दिन किसी न किसी मंच के माध्यम से भारतवासियों को यह जताने की कोशिश की जाती है कि 2014 के बाद से ही भारत ने अपनी विकास यात्रा तय करनी शुरू की है। कुछ चाटुकार क़िस्म के सत्ता समर्थक तो यहाँ तक कह चुके कि देश को सही मायने में स्वतंत्रता ही 2014 के बाद मिली है। ऐसा कहने वाले बेशर्म लोग यह भी नहीं सोचते कि उनके इस प्रकार के सत्ता की ख़ुशामद करने वाले बयानों से स्वतंत्रता संग्राम के लाखों शहीदों का कितना अपमान होता है। परन्तु 'विकास पथ पर ' कथित तौर पर आगे बढ़ने वाले उस वर्तमान भारत में जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को आये दिन ज़लील करने की कोशिश की जाती हो और उनके हत्यारे गोडसे को राष्ट्रभक्त बताया जाता हो, देश के उस पहले आतंकवादी गुणगान किया जाता हो व उसकी प्रतिमायें स्थापित की जाती हों,जहाँ प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा बनाये गये कई सरकारी संस्थानों को उन्हीं को गालियां दे देकर बेचा जा रहा हो वहाँ कुछ भी प्रचारित करना संभव है। जिन नेताओं को उनके दलों के लोग यशस्वी और पूजनीय कहते हुये नहीं थकते उन्हीं नेताओं की विदेशों में कितनी फ़ज़ीहत होती यह 'भक्तों ' व 'चाटुकारों' को दिखाई नहीं देता। इन 'सावन के अंधों' को केवल यही नज़र आता है कि यशस्वी 'डांकापति ' की लोकप्रियता के चलते पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। इन्हें न तो यह दिखाई दे रहा है कि कितनी विदेशी कम्पनियाँ भारत से बिदा हो चुकी हैं और हो रही हैं। इन्हें डॉलर की तुलना में रूपये की क़ीमत अभूतपूर्व तरीक़े से गिरने से कोई वास्ता नहीं, इनकी नज़रों में बढ़ती बेरोज़गारी और आसमान छूती मंहगाई कोई मायने नहीं रखती।

अनेक बार यह भी देखा गया है कि तमाम प्रतिष्ठित विदेशी समाचार पत्र व पत्रिकायें अपने सम्पादकीय आलेख में इसी सरकार की कठोर शब्दों में आलोचना करती दिखाई दी हैं। विश्व प्रसिद्ध टाइम मैगज़ीन तो हमारे 'यशस्वी ' प्रधानमंत्री को 'डिवाइडर इन चीफ़' की उपाधि देते हुये कवर स्टोरी के साथ पूरा आलेख प्रकाशित कर चुकी है। विदेश यात्राओं के दौरान कई बार इनके विरुद्ध छोटे बड़े अनेक प्रदर्शन होते रहे हैं। परन्तु हमारे देश का 'घुटना टेक ' मीडिया ख़ासकर टी वी चैनल्स मीडिया छवि निर्माण अभियान में मस्त होकर केवल 'यशस्वियों का यशगान ' करने में लगे रहते हैं। कबीर दास को आदर्श महापुरुष व महान आलोचक मानने वाले हमारे देश का मीडिया सत्ता की निंदा करना तो दूर आलोचनाओं से भी डरता और कतराता है। वह कबीर दास के इस आदर्श दोहे को भूल जाता है जिसमें उन्होंने फ़रमाया था कि - निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय, बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय। अर्थातः जो हमारी निंदा करता है, उसे अपने अधिक से अधिक पास ही रखना चाहिए क्योंकि वह बिना साबुन और पानी के हमारी कमियां बताकर हमारे स्वभाव को साफ़ कर देता है। परन्तु आज की सत्ता निंदा करना तो दूर अपनी सही आलोचना भी पसंद नहीं करती। उसे केवल अपना 'यशगान ' करने वाले लोग व मीडिया चाहिये।

परन्तु विदेशों में रहने वाले अनेक भारतीय व उनके समाजसेवी संगठन समय समय पर समाज विभाजक एजेंडा चलाने वाले ऐसे नेताओं का मुखर होकर विरोध करते रहते हैं। अभी पिछले दिनों भाजपा के युवा सांसद तथा भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रमुख तेजस्वी सूर्या 31 मई से 3 जून तक ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में आयोजित होने वाले ऑस्ट्रेलिया-इंडिया यूथ डॉयलॉग के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। बताया जाता है कि 'ऑस्ट्रेलिया-इंडिया यूथ डॉयलॉग' भारत व आस्ट्रेलिया के युवाओं के मध्य संवाद बढ़ाने में सहायता करने वाला एक संगठन है जोकि हर दूसरे वर्ष भारत और ऑस्ट्रेलिया में एक सम्मेलन आयोजित करता है। इस सम्मेलन में दोनों देशों के शीर्ष प्रतिभावान पंद्रह पंद्रह चुनिंदा युवाओं को आमंत्रित किया जाता है जो दोनों देशों के युवाओं से परस्पर अपने विचारों को साझा करते हैं। भारत की तरफ़ से पंद्रह लोगों की सूची में युवा सांसद व भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या का नाम प्रमुख है। तेजस्वी सूर्या को विगत 30 मई को सिडनी की स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी के कैंपस में एजुकेशन सेंटर ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया (ईसीए) नमक संगठन के बैनर तले आयोजित एक कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित करना था। परन्तु अनेक संगठन द्वारा सूर्या के विरुद्ध विरोध प्रदर्शनों के नोटिस के बाद आयोजकों ने इस कार्यक्रम को रद्द कर दिया। विरोध करने वालों का कहना है कि ठएक फ़ासीवादी सांसद का सरकारी एजेंसियों के ख़र्च और नाम पर ऑस्ट्रेलिया में बुलावा अस्वीकार्य है।'' विरोध कर्ताओं का कहना है कि तेजस्वी सूर्या, स्वयं को आरएसएस स्वयंसेवक के तौर पर पेश करते हैं। और चूंकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक कट्टरपंथी हिंदू संगठन है, जो यूरोपीय फ़ासीवादी तौर तरीक़ों से लोगों को एक-दूसरे का दुश्मन बना रहा है। उसके दर्शन को मंच देना समझदारी नहीं होगी।''

ग़ौरतलब है कि यह वही तेजस्वी सूर्या हैं जिन्होंने अपने एक अतिविवादित ट्वीट में कहा था कि ठ95 प्रतिशत अरब महिलाओं को अपने पिछले कुछ सौ सालों में यौन संतुष्टि नहीं मिली है। हर मां ने बच्चों को सिर्फ़ सेक्स करके पैदा किया है, प्यार करके नहीं।'' उसी समय सूर्या के इस ट्वीट का अरब व मध्य एशियाई अनेक देशों में ज़बरदस्त विरोध हुआ था। यहाँ तक कि यूएई में भारत के तत्कालीन राजदूत पवन कपूर को उस समय सूर्या का बचाव करते हुये सोशल मीडिया पर सफ़ाई तक देनी पड़ी थी। ऑस्ट्रेलिया में उनका विरोध करने वाले आज तेजस्वी सूर्याके उन्हीं विवादित बयानों को याद कर स्पष्ट तौर पर यह कह रहे हैं कि ठतेजस्वी सूर्या की धर्मांधता, महिलाओं के प्रति उनकी नफ़रत और बर्बरता के दस्तावेज़ मौजूद हैं। लिहाज़ा ऐसे व्यक्ति का ऑस्ट्रेलिया के युवाओं से संवाद न केवल बेमानी बल्कि हानिकारक भी है। विदेशों की धरती पर भारतीय नेताओं का इसतरह का विरोध निश्चित रूप से भारतवर्ष की छवि को भी धूमिल करता है। परन्तु अफ़सोस की बात है कि सांप्रदायिक व पूर्वाग्रही राजनीति से संस्कारित लोगों को इस बात की कोई चिंता नहीं होती। इन्हें भारत में मिल रहे ''यशगान ' से ही संतुष्टि मिलती है। चाहे वह नकारात्मक ही क्यों न हो। बक़ौल 'शेफ़्ता' - 'हम तालिब-ए- शोहरत हैं हमें नंग से क्या काम = बदनाम अगर होंगे तो क्या नाम न होगा । (लेखक- तनवीर जाफ़री / ईएमएस)

कोरल प्रजाति को करें संरक्षित

(9 जून कोरल त्रिभुज दिवस) कोरल त्रिभुज (सीटी) इंडोनेशिया, मलेशिया, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपींस, सोलोमन द्वीप और तिमोर-लेस्ते के आसपास के उष्णकटिबंधीय जल में लगभग त्रिकोणीय क्षेत्र है। इस क्षेत्र में प्रत्येक क्षेत्र में रीफ-बिल्डिंग कोरल की कम से कम 500 प्रजातियां शामिल हैं।प्रवाल त्रिभुज प्रशांत और भारतीय महासागरों के बीच स्थित है और इसमें दो जैव-भौगोलिक क्षेत्रों के हिस्से शामिल हैं: इंडोनेशियाई-फिलीपींस क्षेत्र और सुदूर दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र। दुनिया के आठ प्रमुख प्रवाल भित्ति क्षेत्रों में से एक के रूप में, कोरल त्रिभुज को समुद्री जैव विविधता के एक वैश्विक केंद्र और संरक्षण के लिए एक वैश्विक प्राथमिकता के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसके जैविक संसाधन इसे समुद्री जैव विविधता का वैश्विक हॉटस्पॉट बनाते हैं।

ठसमुद्र के अमेज़ॅनठ के रूप में जाना जाता है (दक्षिण अमेरिका में अमेज़ॅन वर्षावन के अनुरूप), यह समुद्र के पानी के 5.7 मिलियन वर्ग किलोमीटर (2,200,000 वर्ग मील) को कवर करता है। इसमें दुनिया की 76ज्ञ से अधिक उथले-पानी की रीफ़-बिल्डिंग कोरल प्रजातियाँ, इसकी 37ज्ञ रीफ़ मछली प्रजातियाँ, 50ज्ञ रेज़र क्लैम प्रजातियाँ, दुनिया की सात समुद्री कछुओं की प्रजातियों में से छह और दुनिया की सबसे बड़ी मैंग्रोव शामिल हैं। जंगल।

2014 में, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बताया कि कोरल त्रिभुज में समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 1.2 ट्रिलियन डॉलर प्रति वर्ष है और 120 मिलियन से अधिक लोगों को भोजन प्रदान करता है। कोरल ट्राएंगल नॉलेज नेटवर्क के अनुसार, यह क्षेत्र सालाना मत्स्य निर्यात से लगभग 3 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा आय लाता है, और अन्य 3 अरब डॉलर तटीय पर्यटन राजस्व से लाता है।

वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर इस क्षेत्र को समुद्री संरक्षण के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता मानता है, और 2007 में शुरू किए गए अपने कोरल ट्राएंगल प्रोग्राम के माध्यम से इस क्षेत्र के लिए पारिस्थितिक खतरों को संबोधित कर रहा है। त्रिभुज में जैव विविधता का केंद्र वर्डे द्वीप मार्ग है। फिलीपींस। इस क्षेत्र का एकमात्र प्रवाल भित्ति क्षेत्र जिसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है, वह फिलीपींस में तुब्बाताहा रीफ प्राकृतिक पार्क में है। प्रवाल त्रिभुज की उच्च प्रजाति विविधता के पीछे के सिद्धांत तीन अलग-अलग सिद्धांत हैं कि क्यों मूंगा त्रिभुज (ईस्ट इंडीज त्रिभुज) में प्रजातियों की इतनी अधिक विविधता है, और प्रत्येक सिद्धांत एक अलग व्याख्यात्मक मॉडल का प्रस्ताव करता है। उन्हें आमतौर पर ठउत्पत्ति का केंद्रठ मॉडल, ठओवरलैप का केंद्रठ मॉडल और ठसंचय का केंद्रठ मॉडल कहा जाता है। मूल मॉडल का केंद्र यह मानता है कि द्वीपसमूह के क्षेत्र में उच्च विविधता आबादी एक केंद्रीय रूप से स्थित पैतृक आबादी का हिस्सा है जो बाद में विभिन्न परिधीय स्थानों में फैल गई। ओवरलैप मॉडल का केंद्र यह मानता है कि मूल रूप से विभिन्न जैव-भौगोलिक क्षेत्रों में प्रजातियां जनसंख्या विभाजन (विभिन्नता) के परिणामस्वरूप एक साथ आईं और बाद में अपनी सीमा का विस्तार किया। संचय मॉडल का केंद्र यह मानता है कि पैतृक आबादी जो मूल रूप से परिधीय स्थानों में बिखरी हुई थी, एक केंद्रीय स्थान पर एक साथ आई और एक विविध आबादी का गठन किया। संरक्षण कोरल ट्राएंगल क्षेत्र की सरकारों, प्रकृति संरक्षण संगठनों जैसे वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर, द नेचर कंजर्वेंसी एंड कंजर्वेशन इंटरनेशनल, और एशियाई विकास बैंक, ग्लोबल एनवायरनमेंट फैसिलिटी जैसी दाता एजेंसियों द्वारा उच्च-स्तरीय संरक्षण प्रयासों का विषय है प्रवाल भित्तियों, मत्स्य पालन और खाद्य सुरक्षा पर कोरल त्रिभुज पहल अगस्त 2007 को, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति युधोयोनो ने सीटी (मलेशिया, तिमोर-लेस्ते, पापुआ न्यू गिनी, सोलोमन द्वीप और फिलीपींस) में भौगोलिक रूप से स्थित पांच अन्य देशों के साथ ठक्षेत्र के समुद्री और तटीय जैविक संसाधनों की सुरक्षाठ के लिए एक बहुपक्षीय साझेदारी का प्रस्ताव रखा। बहुपक्षीय साझेदारी को कोरल रीफ, मत्स्य पालन और खाद्य सुरक्षा (सीटीआई-सीएफएफ) पर कोरल त्रिभुज पहल के रूप में नामित किया गया। सीटीआई-सीएफएफ के लक्ष्य प्राथमिकता वाले समुद्री दृश्य नामित और प्रभावी ढंग से प्रबंधित मत्स्य पालन के प्रबंधन के लिए पारिस्थितिक तंत्र दृष्टिकोण (ईश) और अन्य समुद्री संसाधन पूरी तरह से लागू समुद्री संरक्षित क्षेत्र (एमपीए) स्थापित और प्रभावी ढंग से प्रबंधित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन उपायों को हासिल किया गया संकटग्रस्त प्रजातियों की स्थिति में सुधार प्रवाल त्रिभुज की सीमाओं के बीच काफी ओवरलैप है जो मुख्य रूप से उच्च प्रवाल जैव विविधता (500 से अधिक प्रजातियों) पर आधारित हैं, और सीमाएं प्रवाल भित्ति मछलियों के लिए सबसे बड़ी जैव विविधता के क्षेत्र पर आधारित हैं। (लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन/ईएमएस)

आज का इतिहास 9 जून

1870 प्रसिद्ध उपन्यासकार चार्ल्स डिकेन्स का निधन हुआ.
1964 लालबहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री बने.
1975 ब्रिटिश संसद के कामकाज का सीधे प्रसारण शुरू हुआ.
1991 फिलीपींस का माउंट पिनाटुबो ज्वालामुखी 600 वर्ष बाद भड़का जिसके कारण अमरीका को अपना सैनिक अड्डा खाली करना पड़ा.
1991 फिल्म निर्देशक राज खोसला का मुंबई में निधन.
1994 विवादित योगी धीरेंद्र ब्रह्मचारी का वायु दुर्घटना में निधन.
2001 लिएंडर पेस व महेश भूपति की जोड़ी ने फ्रैंच ओपन युगल खिताब जीता.
2002 हुर्रियत कांफ्रेंस के पूर्व प्रमुख सैयद अली शाह जिलानी पोटा के तहत गिरफ्तार.
2004 अकाली दल के चरणजीत सिंह लोकसभा के उपाध्यक्ष बने.

मुस्लिम राष्ट्रों की नाराज़ी

पैगंबर मुहम्मद और इस्लाम के बारे में भाजपा के कुछ पदाधिकारियों की अप्रिय टिप्पणियों को लेकर भारत के अंदर और इस्लामी देशों में कोहराम मचा हुआ है। भाजपा ने अपने प्रवक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई कर दी है लेकिन उससे न तो हमारे कुछ मुस्लिम संगठन संतुष्ट हैं और न ही कई इस्लामी राष्ट्र! उनकी टिप्पणियों से कुछ लोग इतने भड़के हुए हैं कि उन्हें वे मौत के घाट उतारना चाहते हैं। लेकिन क्या भड़के हुए लोगों और इस्लामी राष्ट्रों ने यह जानने की भी कोशिश की है कि वे टिप्पणियां क्या थीं और वे कब, कैसे और कहां, कही गई थीं? शायद नहीं। यदि उन्हें तथ्यों का पता होता तो शायद उनका गुस्सा काफी कम हो जाता। वह टिप्पणी तब की गई थी, जब किसी टीवी चैनल पर ज्ञानव्यापी मस्जिद के बारे में अनाप-शनाप बहस चल रही थी। आजकल हमारे चैनलों पर हर बहस में पार्टी-प्रवक्ताओं को बिठा दिया जाता है। वे मूल विषय पर तर्क-वितर्क करने की बजाय एक-दूसरे पर बेलगाम प्रहार करते हैं। उनके मुंह में जो भी आ जाता है, उसे वे बेझिझक उगल देते हैं। एक वक्ता ने शिवलिंग की मजाक उड़ाई तो दूसरे वक्ता ने पैगंबर मुहम्मद के बारे में ऐसी टिप्पणी कर दी, जो निराधार थी। इस तरह के वाकए रोज ही होते हैं। इसीलिए ज्यादातर समझदार दर्शक टीवी पर चलनेवाली बहसों को देखने में अपना वक्त खराब नहीं करते। मेरी कोशिश यही होती है कि उन बहसों में जाना ही नहीं, जिनमें पार्टी-प्रवक्ताओं को बिठा दिया जाता है। ऐसी बहस पर भारत के मुसलमानों और इस्लामी देशों का नाराज होना स्वाभाविक है लेकिन भारत और दुनिया के सभी हिंदू शिवलिंग की मजाक पर भी इसी तरह नाराज हो सकते हैं। लेकिन मेरी राय में इस तरह की नाराजी का अर्थ क्या यह नहीं है कि आप कुछ गैर-जिम्मेदार लोगों को जरुरत से ज्यादा महत्व दे रहे हैं? जहां तक मुस्लिम राष्ट्रों के खफा होने का सवाल है, सबसे पहले उन्हें खुद से सवाल करना चाहिए कि वे अपने देशों के अन्य धर्मों के साथ कैसा बर्ताव करते हैं? उनके देशों में रहनेवाले ईसाइयों, यहूदियों, हिंदुओं, शियाओं, बहाइयों और अहमदियों के साथ उनका बर्ताव कैसा है? उनके प्रछ्ङ्कङ्कह्लह्ल- मूसा, ईसा, बुद्ध, महावीर, शिव, कृष्ण, महर्षि दयानंद के बारे में वे क्या सोचते हैं? असलियत तो यह है कि ऐसे धार्मिक लोग सच्चे अर्थों में धार्मिक होने के बजाय राजनीतिक ज्यादा होते हैं। वे भगवान के भक्त कम, सत्ता के भक्त ज्यादा होते हैं। इसीलिए वे अन्य धर्मों पर आक्रमण करते हैं। वे अपने महापुरुषों की सीखों का भी उल्लंघन करते हैं। कुरान शरीफ में साफ़-साफ़ लिखा है, ''मज़हब के मामले में जोर-जबर्दस्ती ठीक नहीं'' (2/256)। क्या गिरजाघरों और मंदिरों को गिरानेवाले आक्रांत सच्चे मुसलमान थे? पैगंबर मुहम्मद कितने उदार थे, यह तो इसी से पता चल जाता है कि उन पर रोज कूड़ा फेंकनेवाली एक यहूदी बुढ़िया जब बीमार पड़ गई तो वे चिंतित हुए और उनका हाल पूछने उसके घर में गए और उसकी तीमारदारी करी। जिन तालिबान ने बामियान में बुद्ध की मूर्तियां तोड़ीं, क्या वे मुहम्मद के सच्चे अनुयायी सिद्ध हुए? कितने इस्लामी राष्ट्रों ने उनकी भर्त्सना की? जिस ब्राह्मण रसोइए ने महर्षि दयानंद को जहर देकर मार डाला, क्या वह सच्चा हिंदू था? ऐसे लोग धार्मिक नहीं, धर्मांध होते हैं। मुझे समझ में नहीं आता कि कोई अकेला इंसान तो धर्मांध हो सकता है लेकिन विभिन्न देशों की सरकारें धर्मांधता के कुएं में क्यों गिर पड़ती हैं? (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

09 जून 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.43 बजे से
चंद्र	कन्या में	कर्क	07.56 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	10.12 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.24 बजे से
गुरु	मीन में	तुला	14.35 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.49 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	19.05 बजे से
राहु	मेष में	मकर	21.11 बजे से
केतु	तुला में	कुंभ	22.57 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	00.30 बजे से
		मेष	02.01 बजे से
		वृष	03.41 बजे से

गुरुवार 2022 वर्ष का 160 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** नवमी 08.22 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 04.26 बजे रात्र को समाप्त। **योग** व्यतीपात 01.49 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 08.22 बजे तदनन्तर तैतिल 20.00 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 09.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 55' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871274 **जूलियन दिन** 2459739.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जिल्काद **तारीख** 09 **विशेष** महेश नवमी, गंगा दशहरा, बिरसा मुंडा शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7311

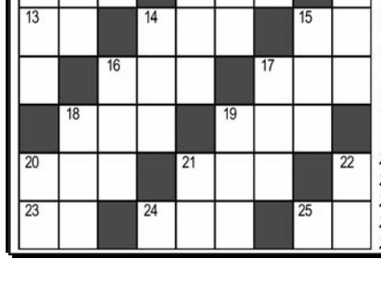

बाएँ से दाएँ

1.घ्राणेंद्रिय-2
2.लंबी गर्दन वाला पशु-3
4.आफत,मुसीबत-2
6.लाचार-3
7.आसरा,मदद-3
8.आश्रय,शरण-3
9.राज कपूर की पोती-3
10.कर्म,भाग्य-3
11.दासत्व,गुलामी-3
13.आर्टिकल-2
14.इच्छा,लालसा-3
15.दुगना,दोगुना-2
16.भार-3
17.टेसू के फूल-3
18.राजा का भवन-3
19.चौकसी-2
20.प्रेमी,साजन-3
21.कैनाल,उपनदी-3
23.जीवन सत्व,प्राण-2
24.प्रहार,आक्रमण-3
25.ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1.अभिमान-2
2.मारना,वध करना-2
3.नृत्य,कृष्णलीला-2
4.अपव्यय करना-3
5.वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6.अज्ञात,अनाम-3
7

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दर बढ़ाने से बुधवार को मुम्बई शेयर बाजार गिरा है। इसी के साथ ही बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट जारी रही। आरबीआई ने नीतिगत दर में 0.50 फीसदी की वृद्धि की है जिसके बाद बाजार नीचे आया है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों के लगातार पूंजी निकालने से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 214.85 अंक करीब 0.39 फीसदी नीचे आकर 54,892.49 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ये 55,423.97 अंक के उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद 54,683.30 अंक के निचले स्तर तक गिरा। वहीं पचास शेयरों पर आधारित निफ्टी भी 60.10 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी नीचे आकर 16,356.25 अंक पर बंद हुआ। आरबीआई के रेपो दर बढ़ाने से मकान, वाहन और अन्य कर्ज की मासिक किस्त ईएमआई भी बढ़ेगी। सेंसेक्स के शेयरों में भारती एयरटेल, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा के शेयर गिरे हैं जबकि दूसरी ओर टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक, डॉ. रेड्डीज, बजाज फाइनेंस, टीसीएस और टाइटन के शेयर लाभ में रहे। बाजार जानकारों के अनुसार रेपो दर में 0.50 फीसदी की वृद्धि यह आरबीआई ने संदेश दिया है कि वह मुद्रास्फीति को नियंत्रण में करना चाहता है। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन में शंघाई कंपोजिट, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरा है। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट रही।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा की मुख्य बातें

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास द्वारा बुधवार को पेश चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा की मुख्य बातें ??निम्न प्रकार हैं-

- प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.50 प्रतिशत बढ़ाकर 4.9 प्रतिशत किया गया। पांच सप्ताह में यह रेपो दर में दूसरी बढ़ोतरी है।
- रेपो दर अब भी महामारी-पूर्व के स्तर से नीचे है।
- मुद्रास्फीति पर काबू और वृद्धि को समर्थन के लिए केंद्रीय बैंक अपने उदार नीतिगत रुख को वापस लेने पर ध्यान देगा।
- चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 5.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत किया गया।
- वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिकूल परिस्थितियों की वजह से खाद्य तेल कीमतों पर दबाव। हाल में कीमतों में कुछ कमी आई है।
- तनावपूर्ण वैश्विक स्थिति की वजह से घरेलू मुद्रास्फीति परिदृश्य को लेकर अनिश्चितता।
- 2022-23 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 7.2 प्रतिशत पर बरकरार।
- आर्थिक गतिविधियां रफ्तार पकड़ रही हैं। सामान्य मानसून से ग्रामीण खपत बढ़ेगी।
- क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ा जाएगा। रूपे क्रेडिट कार्ड पहले जुड़ेंगे।
- ग्रामीण सहकारी बैंकों को वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र को कर्ज देने की अनुमति।
- शहरी सहकारी बैंक घर के दरवाजे पर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगे।
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से नियमित अंतराल पर जरूरी सेवाओं के लिए खुद-ब-खुद होने वाले भुगतान को 5,000 रुपए से बढ़ाकर 15,000 रुपए किया गया।

सोना और चांदी की कीमत में गिरावट

ुंबई (ईएमएस)। वै?श्विक बाजारों में कीमती धातुओं में नरमी की वजह से घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमत में बुधवार को गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के बाद सोना फिर 51100 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 62000 रुपए प्रति किलो हो गई है। इसके साथ ही सोना लगभग 5100 और चांदी 17900 रुपए से ज्यादा सस्ता मिल रही है। मंगलवार को सोना 23 रुपए प्रति दस ग्राम की दर से सस्ता होकर 51089 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ। जबकि पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सोना 343 रुपए प्रति दस ग्राम की दर से सस्ता होकर 51112 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं मंगलवार को चांदी 540 रुपए सस्ता होकर 62052 रुपए प्रति किलो पर बंद हुई। वहीं सोमवार को चांदी 196 रुपए सस्ता होकर 62592 रुपए प्रति किलो पर बंद हुई था। इस तरह मंगलवार को 24 कैरेट वाला सोना 23 रुपए सस्ता होकर 51089 रुपए, 23 कैरेट वाला सोना 23 सस्ता होकर 50884 रुपए, 22 कैरेट वाला सोना 21 सस्ता होकर 46798 रुपए, 18 कैरेट वाला सोना 17 रुपए सस्ता होकर 38317 रुपए और 14 कैरेट वाला सोना 14 रुपए सस्ता होकर 29887 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था।

अर्थव्यवस्था की उत्पादक जरूरतों को पूरा करने पर्याप्त नकदी सुनिश्चित करेंगे: दास

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था की उत्पादक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता या नकदी की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। दास ने बुधवार को यहां मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा ?कि आगे चलकर महामारी की वजह से उपलब्ध कराई गई अत्यधिक तरलता को कई साल के समय में सामान्य स्तर पर लाया जाएगा। हालांकि, इसके साथ ही केंद्रीय बैंक यह सुनिश्चित करेगा कि अर्थव्यवस्था की उत्पादक जरूरतों के लिए पर्याप्त नकदी उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक सरकार के कर्ज लेने के कार्यक्रम को व्यवस्थित तरीके से पूरा करने पर ध्यान देगा। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से रेपो दर को आधा प्रतिशत बढ़ाकर 4.90 प्रतिशत करने का फैसला किया है।

क्रेडिट कार्ड को यूपीआई प्लेटफॉर्म से जोड़ने का प्रस्ताव

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को मॉनिटरी पॉलिसी की बैठक के नतीजों की घोषणा करते हुए रेपो रेट में 0.50 फीसदी का इजाफा कर दिया। इसके बाद नीतिगत दरें 4.40 फीसदी से बढ़कर 4.90 फीसदी हो गईं। इसके साथ ही दास ने क्रेडिट कार्ड और सहकारी बैंकों को लेकर भी बड़ी घोषणाएं की हैं। आरबीआई ने क्रेडिट कार्ड को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) प्लेटफॉर्म से जोड़ने की अनुमति देने का प्रस्ताव दिया है। गवर्नर दास ने कहा कि शुरुआत में रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा, जो उपयोगकर्ताओं को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करेगा और डिजिटल भुगतान का दायरा बढ़ाएगा। गौरतलब है कि वर्तमान में यूपीआई उपयोगकर्ताओं के डेबिट कार्ड के माध्यम से बचत या चालू खातों को जोड़कर लेन-देन की सुविधा प्रदान करता है। आवास क्षेत्र में ऋण प्रवाह को गहरा करने के लिए आरबीआई ने आज सहकारी बैंकों के लिए घोषणाएं कीं। गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि सहकारी बैंक अब व्यक्तिगत होम लोन के लिए अधिक उधार दे सकेंगे। यह आवासीय आवास क्षेत्र में बेहतर ऋण प्रवाह सुनिश्चित करेगा। दास ने कहा कि आवासीय आवास की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण सहकारी बैंकों द्वारा दिए गए व्यक्तिगत आवास ऋण की सीमा को घर की कीमतों में वृद्धि को देखते हुए 100 फीसदी से अधिक संशोधित किया जा रहा है।

विश्व बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटाया

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। वर्तमान में बढ़ती महंगाई, सप्लाई चेन में आ रही बाधाएं और भू-राजनीतिक तनावों के चलते विश्व बैंक ने वर्तमान वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटाकर 7.5 फीसदी कर दिया है। वर्ल्ड बैंक ने अपने पिछले अनुमान में 1.2 फीसदी की कटौती की है। इससे पहले इसी संस्था ने भारत की ग्रोथ का अनुमान 8.7 फीसदी लगाया था। वर्ल्ड बैंक को लगता है कि वित्त वर्ष 2024 में भी भारत की ग्रोथ 7.1 फीसदी की दर से हो सकती है। हालांकि यह बैंक के पिछले अनुमान 6.8 फीसदी से 30 आधार अंक अधिक है। वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि विश्व बैंक ने केवल भारत को लेकर ही अपने नजरिए में बदलाव नहीं किया है। उसने कहा है कि इस समय पूरी दुनिया की इकॉनमी फिर से खतरे में है। विश्व बैंक ने कहा है ?कि कोविड-19 महामारी के बाद हुए नुकसान के बाद रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण ने ग्लोबल इकॉनमी के धीमी गति (स्लोडाउन) को और भी धीमा कर दिया। अब जिस समय में यह प्रवेश कर रही है वह अवधि कमजोर विकास और ऊंची मुद्रास्फीति के चलते लम्बी हो सकती है। विश्व बैंक ने आगे कहा है ?कि अगर वैश्विक मंदी को टाल भी दिया जाता है, तो मुद्रास्फीति का दर्द कई वर्षों तक बना रह सकती है, जब तक कि प्रमुख आपूर्ति में तेज गति फिर से सेट नहीं होती। कम और मध्यम आय वाली अर्थव्यस्थाएं को कई वर्षों के ऊपरी-औसत मुद्रास्फीति और निचली-औसत ग्रोथ के चलते संभावित अस्थिर परिणाम झेलने पड़ सकते हैं।

लागत से कई गुना ज्यादा मुनाफा, सिर्फ 5 साल में नीलगिरी की खेती से करोड़पति बन सकते हैं किसान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में बड़े पैमाने पर नीलगिरी यानी यूकेलिप्टस के पेड़ों की खेती की जाती है। इस पेड़ की सबसे खास बात है कि अन्य फसलों के मुकाबले इसमें मेहनत की आवश्यकता कम पड़ती है। इसके रखरखाव और देखभाल की खास जरूरत नहीं पड़ती। यूकेलिप्टिस के पेड़ की खेती को दुरुस्त तरीके से किया जाए तो बेहद कम समय में लाखों-करोड़ों का मुनाफा कमाया जा सकता है। नीलगिरी की खेती पूरे भारत में किसी भी जगह हो सकती है। पहाड़ी क्षेत्र हो या मैदान हर जगह इस पेड़ को लगाया जा सकता है। मौसम का भी इस पेड़ पर कोई खास फर्क नहीं पड़ता।

विशेषज्ञों के अनुसार एक हेक्टेयर क्षेत्र में यूकेलिप्टस के 3000 हजार पौधे लगाए जा सकते हैं। इन पेड़ों को लगाने में ज्यादा से ज्यादा 30 हजार का निवेश करके लाखों का मुनाफा की चाह रखने वाले किसानों के लिए पेड़ लगाना फायदे का सौदा हो सकता है। नीलगिरी की लकड़ियां बेहद मजबूत मानी जाती हैं। पानी से भी ये लकड़ियां जल्दी खराब नहीं होती हैं। इनका इस्तेमाल पेटियां, ईंधन, हार्ड बोर्ड, फर्नीचर और पार्टिकल बोर्ड इत्यादि बनाने के लिए किया जाता है। यह पेड़ केवल 5 साल में अच्छी तरह से विकास कर लेता है। इसके बाद इनकी कटाई कर किसान अच्छा मुनाफा कमा सकता है। नीलगिरी के एक पेड़ से लगभग 400 किलो लकड़ी प्राप्त होती है। बाज़ार में यूकेलिप्टिस की लकड़ी 6-7 रुपए प्रति किलो के भाव से बिकती है। ऐसे में अगर हम एक हेक्टेयर में तीन हजार पेड़ लगाते हैं। तो आसानी से 72 लाख रुपए तक कमा सकते हैं।

वैश्विक मंकीपॉक्स मामलों की संख्या 1000 को पार

वाशिंगटन (ईएमएस)। एक-दो मामलों के साथ शुरू हुआ मंकीपॉक्स वायरस का प्रकोप विकराल हो रहा है। धीरे-धीरे बढ़ते हुए वैश्विक मंकीपॉक्स मामलों की संख्या 1000 को पार कर चुकी है। अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने मंकीपॉक्स प्रकोप पर अपनी चेतावनी स्तर को बढ़ाया है। अमेरिका में मंकीपॉक्स के 30 मामले सामने आ चुके हैं। सीडीसी ने सलाह जारी की हैं,कि यात्री दुर्लभ वायरल बीमारी से बचने के लिए 'बढ़ी हुई सावधानियों का पालन करें।' सीडीसी ने कहा कि लोगों को मरीजों के साथ निकट संपर्क में आने से बचना चाहिए, जिनकी त्वचा पर चकत्ते हैं। लोगों को जीवित या मृत जंगली जानवरों, खासकर चूहे, गिलहरी, बंदर और वानरों से भी दूर रहने की सलाह दी गई है। यात्रियों को बीमार लोगों की इस्तेमाल की गई संक्रमित चीजों के संपर्क में आने से भी बचना चाहिए, जैसे कपड़े या चादर। लोगों को जंगली जानवरों का मीट न खाने की भी सलाह दी गई है।

सीडीसी ने कहा, अगर आप बीमार हैं और आपको मंकीपॉक्स हो सकता है, तब डॉक्टर की परामर्श से पहले सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल न करें। आम लोगों के मंकीपॉक्स के संपर्क में आने का जोखिम अभी भी कम हैं, लेकिन सीडीसी ने सलाह दी है कि अगर आपको अपने शरीर पर अजीबो चकत्ते दिखाई देते हैं तब तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

ऑस्ट्रिया में 107 छात्रों, शिक्षकों को हवाई मार्ग से सुरक्षित बचाया गया

बर्लिन (ईएमएस)। जर्मनी से स्कूल यात्रा पर ऑस्ट्रिया गए 100 से अधिक छात्र और शिक्षक ऑनलाइन मानचित्र का पालन करने के बाद वहां फंस गए, जिन्हें हवाई मार्ग से सुरक्षित निकाला गया। पुलिस ने कहा कि स्थानीय महापौर सहित 60 से अधिक बचावकर्मियों ने बचाव कार्य में हिस्सा लिया। पुलिस ने कहा कि जर्मनी के लुडविगशाफेन का समूह वॉलमेन्डरहॉर्न शिखर तक जाने वाली एक पहाड़ी पर फंस गया। समूह के एक शिक्षक ने 'इंटरनेट सर्च टूल' का उपयोग कर रास्ता खोजा था।

पुलिस ने कहा कि वास्तव में उस मार्ग को आंशिक रूप से निलंबित कर दिया गया था। फिसलन की स्थिति और सभी छात्रों के उस क्षेत्र के अनुकूल जूते नहीं पहने होने के कारण एक शिक्षक ने वापस लौटने का फैसला किया। दो छात्रों के फिसलने और मामूली रूप से घायल होने के बाद, एक शिक्षक ने आपातकालीन सेवाओं को फोन किया जिसके बाद बचाव अभियान शुरू हुआ।

सन 2024 से ईयू में हर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के लिए बनाया जाएगा एक जैसा चार्जर

ब्रसेल्स (ईएमएस)। यूरोपीय संघ (ईयू) में इस बात पर सहमति बन चुकी है कि साल 2024 से सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस एक जैसा चार्जर इस्तेमाल करेंगी। संसद से जारी की गई एक प्रेस रिलीज में बताया गया है कि 2024 तक, यूएसबी टाइप-सी यूरोपीय संघ में सभी मोबाइल फोन, टैबलेट और कैमरों के लिए चार्जिंग पोर्ट बनाया जाएगा।

प्रभावित उपकरणों में मोबाइल फोन, टैबलेट, ई-रीडर, ईयरबड्स, डिजिटल कैमरा, हेडफोन और हेडसेट, हैंडहेल्ड वीडियोगेम कंसोल और वायर्ड केबल, कीबोर्ड, कंप्यूटर माइस और पोर्टेबल नेविगेशन डिवाइस जैसे उपकरण शामिल हैं। अगियस सलीबा ने कहा अधिक प्रचलित होने के चलते वायरलेस चार्जिंग को भी शामिल किया गया है। उपभोक्ता यह चुनने में सक्षम होंगे कि वे चार्जर या वायरलेस चार्जर खरीदना चाहते हैं। यूरोपीय संघ का मानना है कि इस फैसले से उपभोक्ता अनावश्यक चार्जर खरीद पर हर साल 250 मिलियन यूरो (267 मिलियन डॉलर) तक की बचत करने में सक्षम होंगे। एक जैसे चार्जर मिलेंगे तो करीब 11 हजार टन इलेक्ट्रॉनिक कचरा कम होगा।

तिब्बत में तेजी से पिघल रहे हैं ग्लेशियर, 150 करोड़ से ज्यादा आबादी इसके पानी पर निर्भर

ल्हासा (ईएमएस)। पेयजल के लिए तिब्बत के जलस्त्रोतों पर निर्भर लोगों के लिए तेजी से पिघलते ग्लेशियर चिंता की वजह बन गए हैं। एशिया महाद्वीप में 150 करोड़ से ज्यादा आबादी पानी के लिए इसी स्त्रोत पर निर्भर है। एशिया की ब्रह्मपुत्र, गंगा, मीकोंक और यांग्तज जैसे बड़ी नदियां यहीं से निकलती हैं। तेजी से बढ़ती पर्यावरण संबंधी समस्या के कारण क्षेत्र को बड़ी क्षति की आशंका है।

एकीकृत पर्वतीय विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय केंद्र (आईसीआईएमओडी) की तिब्बत प्रेस में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, कार्बन उत्सर्जन की प्रभावी निगरानी और इस पर नियंत्रण के तेज प्रयास नहीं किए गए, तो ग्लेशियर का एक तिहाई हिस्सा पिघल जाएगा। इससे पर्यावरण की समस्या खड़ी हो जाएगी। इसके बाद हालात और बिगड़ते जाएंगे। तिब्बत में रहने वाले लोग अपने अधिकारों और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ रहे हैं।

तिब्बती अपना पर्यावरण बचाना चाहते हैं लेकिन चीन के कब्जे के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है। तिब्बत में बड़े पैमाने पर शिकार खेला जाता है। चीनी सरकार पूरे इलाके में अवैध शिकार को प्रोत्साहित करती है। चीन सरकार की ओर से वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण आच्छादित वन क्षेत्र कम हो रहा है। इसके कारण कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। कई प्राकृतिक संसाधनों का केंद्र होने के कारण तिब्बत को अत्यधिक खनन की समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है। कारोबार बढ़ाने के नाम पर चल रही इन गतिविधियों के कारण भूमि और इसकी गुणवत्ता तो प्रभावित हुई है, प्राकृतिक संसाधन भी कम हो रहे हैं। चीन द्वारा जलस्त्रोतों के अत्यधिक दोहन के कारण वायु और जल में भी प्रदूषण जैसी समस्या आने लगी है। जानवरों की कई प्रजातियां तो विलुप्त हो गई हैं। तिब्बती अपनी खानाबदोश जीवनशैली के लिए मशहूर रहे हैं। चीन के जबरन पुनर्वास के कारण खानाबदोशों की की संख्या भी कम हुई है। नई जीवनशैली में ढलने और जीवन-यापन के संसाधन जुटाने में उन्हें भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

विश्वबैंक ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 2.9 तिशत किया

वाशिंगटन (ईएमएस)। विश्वबैंक ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए वृद्धि दर के अपने अनुमान को घटा दिया है। इसका कारण रूस-यूक्रेन युद्ध, व्यापक स्तर पर खाद्य पदार्थों की कमी की आशंका और निम्न वृद्धि दर के साथ ऊंची मुद्रास्फीति की स्थिति (स्टैगफ्लेशन) को लेकर चिंता है। बहुपक्षीय संस्थान ने वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर इस साल 2.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। यह पिछले साल 2021 के 5.7 प्रतिशत और इस साल जनवरी में जताये गए 4.1 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से कम है। विश्वबैंक ने कहा ?कि कई देशों में मंदी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। संस्थान वर्ष 2023 और 2024 में भी कोई अच्छी तस्वीर नहीं देख रहा। दोनों साल वैश्विक वृद्धि दर तीन प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। विश्वबैंक ने अमेरिका के लिये आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 2.5 प्रतिशत कर दिया है। जबकि जनवरी में इसके 3.7 प्रतिशत रहने की संभावना जतायी गई थी। वहीं पिछले साल 2021 में वृद्धि दर 5.7 प्रतिशत रही थी। यूरो मुद्रा वाले 19 सदस्यीय यूरोपीय देशों की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को कम कर 2.5 प्रतिशत कर दिया गया है। जबकि जनवरी में इसके 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। पिछले साल वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत थी। अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यस्था चीन की आर्थिक वृद्धि दर इस साल 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है जबकि पिछले साल यह 8.1 प्रतिशत थी।

सी तेल के अधिक आयात से खुदरा तेल कंपनियों को होगा फायदा: रिपोर्ट

मुंबई (ईएमएस)। बाजार कीमतों से काफी कम दाम पर रूसी तेल का सामान्य से अधिक आयात किए जाने से सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा पेट्रोलियम कंपनियों फायदा होगा। निकट अवधि में उनकी वर्किंग कैपिटल की जरूरत में कमी आ सकती है। खुदरा पेट्रोलियम कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने पिछले कुछ महीनों में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस एलपीजी के खुदरा बिक्री मूल्य में लागत के हिसाब से बदलाव नहीं किए हैं। वे ईंधन विपणन पर नुकसान उठाती हैं और इसकी भरपाई सस्ते रूसी कच्चे तेल के प्रसंस्करण से हासिल होने वाले उच्च रिफाइनरी मार्जिन से कर रही हैं। फिच ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि बढ़ती वैश्विक मांग और रिफाइंड उत्पादों के लिए आपूर्ति में कमी आने से रिफाइनिंग मार्जिन को समर्थन मिलता है और तेल कंपनियों के विपणन मार्जिन में क्रमिक सुधार होता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार कीमतों पर मिल रही खासी छूट पर रूसी तेल का सामान्य से अधिक आयात करना तेल विपणन कंपनियों के लिए निकट अवधि की कार्यशील पूंजी की जरूरतों को कम कर सकता है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा ?कि हम उम्मीद करते हैं कि भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें मध्यम अवधि में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के अनुरूप रहेंगी। इससे तेल विपणन कंपनियों के विपणन मार्जिन में वित्त वर्ष 2022-23 के बाकी समय में धीरे-धीरे सुधार होना चाहिए, भले ही यह सामान्य स्तर से कम हो कच्चे तेल की कीमत 84 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर मार्च की शुरुआत में 14 साल के उच्च स्तर 139 डॉलर पर पहुंच गई थीं। हालांकि बाद में इसमें धीरे-धीरे कुछ गिरावट आई और इस समय यह 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब है लेकिन ?विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कीमतें 120 डॉलर के ऊपर जाती हैं और ग्लोबल परिस्थितयां नहीं सुधरती हैं तो क्रूड और महंगा हो सकता है। ऐसी स्थिति में फिर पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने पड़ सकते हैं।

कश्मीर में कैसे आतंकवाद को खाद-पानी दे रहे ओवरग्राउंड वर्कर्स सुरक्षा बलों ने 250 को किया अरेस्ट

जम्मू (ईएमएस)। कश्मीर घाटी में बीते कुछ महीनों में स्थानीय हिंदुओं और प्रवासी लोगों पर हमले तेज हुए हैं। इसके चलते सुरक्षा बल सतर्क हैं और अब ऐक्शन मोड में आ गए हैं। सुरक्षा बलों ने 250 ओवरग्राउंड वर्कर्स को अरेस्ट किया है, जो आतंकवादियों को मदद करते थे या फिर उन्हें जानकारी देते थे। इन लोगों को यूएपीए और पब्लिक सिक्योरिटी ऐक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। इनमें से ज्यादातर लोगों को जम्मू-कश्मीर से बाहर की जेलों में रखा गया है। इन लोगों पर ऐक्शन की शुरुआत बीते साल हुई थी। मई 2021 तक ही 150 लोगों को प्रशासन ने गिरफ्तार किया था। लेकिन इनके आंकड़े में बीते 5 महीने में तेजी से इजाफा हुआ है। अकेले मई में ही करीब 50 लोगों को अरेस्ट किया गया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 2020 में 135 लोगों को अरेस्ट किया गया था। इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने आतंकवादियों को मूवमेंट में मदद की। हथियारों की सप्लाई में मदद की और उन्हें रहने के ठिकाने दिलाए। ओवरग्राउंड वर्कर्स उन लोगों को कहा जाता है, जो आम नागरिक की तरह ही जिंदगी जीते हैं, लेकिन अंदरखाने आतंकवादियों के संपर्क में रहते हैं। आम लोगों की तरह ही नौकरी करने और अन्य कामों में शामिल होने के चलते इनकी पहचान करना मुश्किल होता है। ऐसे में ओवरग्राउंड वर्कर्स और भी खतरनाक हो जाते हैं। होम मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने इनके कामकाज को लेकर कहा कि ये लोग कोशिश करते हैं कि हमलावर की पहचान न हो सके। ज्यादातर हमलों में अब छोटे हथियारों का इस्तेमाल हो रहा है, जिन्हें वह छिपाकर रखते हैं। हर किसी की जांच करना सुरक्षा बलों के लिए संभव नहीं होता है। ऐसे में इन हथियारों को लेकर जाना आसान होता है। एक तरफ सुरक्षा बल कश्मीर में हिंसा को रोकने की कोशिशों में जुटे हैं तो वहीं केंद्र सरकार की ओर से इस बात की जांच की जा रही है कि आखिर इन घटनाओं में किसका हाथ है। बता दें कि सुरक्षा बलों ने 24 मई को अवंतिपोरा में जैश-ए-मोहम्मद के टेरर मॉडयूल का भंडाफोड़ किया था और 8 लोगों को अरेस्ट कर लिया था। इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने आतंकियों को शरण दी, सुविधाएं मुहैया कराईं और हथियारों की भी सप्लाई करने का काम किया। इन लोगों ने आसिफ शेख और एजाज भट नाम के दो आतंकियों को हथियार मुहैया कराए थे। इसके अलावा एक और ओवरग्राउंड वर्कर को 26 मई को एनआईए ने अरेस्ट किया था। इस शख्स पर सुजवां आतंकी हमले में शामिल होने का आरोप था, जिसकी पहचान आबिद अहमद मीर के तौर पर हुई थी।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में यात्री वाहन खाई में गिरा, 22 लोगों की मौत

करांची (ईएमएस)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक यात्री वाहन के सैकड़ों फुट गहरी खाई में गिरने से कम से कम 22 लोगों की मौत हुई है। वाहन चालक किल्ला सैफुल्ला के पास अख्तरजई के पर्वतीय इलाके में 1,572 मीटर की ऊंचाई पर एक तेज घुमावदार मोड़ से गुजरते वक्त वाहन को नियंत्रित करने में विफल रहा। घटना में एक बच्चे सहित 22 लोगों की मौत हुई है। उपायुक्त हाफिज मुहम्मद कासिम ने कहा कि यात्री बस जोब से लोरालिया जा रही थी।

उन्होंने बताया, वाहन अख्तरजई के पास एक पहाड़ी की चोटी से गिर गया। हमारे द्वारा अब तक 10 शव बरामद किए हैं, क्योंकि पहाड़ों में गहरी खाई के कारण बचाव अभियान में मुश्किल आ रही है। आस-पास के अस्पतालों में अलर्ट जारी कर बचाव अभियान में मदद के लिए क्वेटा से कई टीम को बुलाया गया है। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त कर अधिकारियों से घायलों के लिए हर संभव चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का आग्रह किया और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया। देश के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में दुर्गम और पर्वतीय इलाकों के कारण हर साल सड़क दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है।

एरिजोना में एक माह में मृत्युदंड की सजा पाने वाले दूसरे व्यक्ति होंगे 60 वर्षीय एटवुड

फीनिक्स (ईएमएस)। अमेरिका के एरिजोना में सन 1984 में आठ साल की बच्ची की हत्या के दोषी कैदी को मृत्युदंड दिया जाएगा। अधिकारियों ने लगभग आठ साल के अंतराल के बाद मई में मृत्युदंड देना शुरू किया है। बच्ची की हत्या के दोषी फ्रैंक एटवुड राज्य में एक माह के भीतर मृत्युदंड की सजा पाने वाला दूसरा कैदी होगा। 66 वर्षीय एटवुड ने विक्की होसकिंसन की हत्या की थी।

इस जुर्म में एटवुड को फ्लोरेंस जेल में जहर भरा इंजेक्शन देकर मृत्युदंड निर्धारित किया गया है। विक्की का शव रेगिस्तानी इलाके में पाया गया था। बच्ची अपने घर के पास पोस्टबॉक्स में जन्मदिन का कार्ड डालने के बाद लापता हो गई थी। अगर एटवुड के मृत्युदंड पर रोक नहीं लगी तो वह एक महीने से भी कम समय में मृत्युदंड पाने वाला एरिजोना का दूसरा कैदी होगा। पिछले महीने क्लेरेंस डिक्सन को मृत्युदंड के साथ एरिजोना में मृत्युदंड पर लगी रोक हट गई थी। हाल के हफ्तों में न्यायाधीशों ने एटवुड के वकीलों द्वारा फांसी में देरी के प्रयासों को नाकाम कर दिया। उसके वकीलों का कहला है कि वह निर्दोष है। अधिकारियों के अनुसार एटवुड ने विक्की का अपहरण कर लिया था और बच्ची के अवशेष उसके लापता होने के लगभग सात महीने बाद टक्सन के उत्तर-पश्चिम के रेगिस्तान में मिले थे। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, विशेषज्ञ अवशेषों से मौत का कारण निर्धारित नहीं कर सके।

परमाणु परीक्षण की खबरों के बीच अमेरिका के 20 लड़ाकू विमानों ने द. कोरिया के पश्चिमी तट के लगाए चक्कर

वॉशिंगटन (ईएमएस)। उत्तर कोरिया से तनाव के बीच दक्षिण कोरियाई सेना और अमेरिकी बल के 20 लड़ाकू जेट ने दक्षिण कोरिया के पश्चिमी तट पर चक्कर लगाए। इन लड़ाकू विमानों की उड़ान के पीछे यह मकसद रहा कि अगर उत्तर की ओर से कोई प्रतिक्रिया आती है, तो जवाबी कार्रवाई की जाएगी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स आफ स्टाफ ने कहा हवाई प्रदर्शन में 16 दक्षिण कोरियाई विमान शामिल थे, जिसमें एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट भी था।

वहीं, चार अमेरिकी एफ-16 लड़ाकू जेट ने भी उड़ान भरी। इनका मकसद उत्तर कोरिया की भड़काऊ गतिविधियों का जवाब देने की क्षमता प्रदर्शित करना है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सेनाओं ने उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण के जवाब में सोमवार को आठ बैलिस्टिक मिसाइल को समुद्र में प्रक्षेपित की थीं। इन लड़ाकू विमानों की उड़ान के पीछे का मकसद उत्तर कोरिया के हमलों का तेजी से और सटीक जवाब देने की क्षमता का प्रदर्शन करना था। अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमन ने मंगलवार को चेतावनी दी कि अगर उत्तर कोरिया परमाणु परीक्षण करता है तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा।

वेंडी शेरमन इस समय दक्षिण कोरिया में हैं, जहां वह जापान और दक्षिण कोरिया के नेताओं से मुलाकात कर मौजूदा तनाव समेत कई मुद्दों पर चर्चा करेंगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर कोरिया अपने पूर्वोत्तर शहर पुंगये-री स्थित परमाणु परीक्षण क्षेत्र में एक और विस्फोट करने के लिए तैयार है।

सियोल के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि प्योंगयांग के सैन्य उकसावों का सामना उचित प्रतिक्रियाओं से किया जाएगा। मीडिया रिपोर

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद महानगर पालिका के 239 करोड़ रुपए के शहरी विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण तथा शिलान्यास

103 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित ओवर ब्रिज तथा 17 करोड़ रुपए के ड्रेनेज प्रोजेक्ट का किया लोकार्पण

119 करोड़ रुपए के 4 प्रोजेक्ट का किया शिलान्यास, जिसमें 55 करोड़ रुपए के हाउसिंग प्रोजेक्ट, 53 करोड़ रुपए के सुएज प्रोजेक्ट, 7 करोड़ रुपए के जल वितरण प्रोजेक्ट और 4 करोड़ रुपए के बहुउद्देशीय हॉल प्रोजेक्ट शामिल

गांधीनगर, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकास की राजनीति करने की दिशा दी है और उनके मार्गदर्शन में गुजरात का लगातार विकास हो रहा है। यह बात बुधवार को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद महानगर पालिका के 239 करोड़ रुपए के शहरी विकास परियोजनाओं के लोकार्पण तथा शिलान्यास कार्यक्रम में नागरिकों को संबोधित करते हुए कही।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विकास के पथ पर गुजरात देश का ग्रोथ इंजन है। गुजरात कई क्षेत्रों में नंबर वन पर है। गुजरात के नागरिकों के लिए बुनियादी सभी सुविधाएं उपलब्ध है। अहमदाबाद लिवेबल (रहने योग्य) तथा लवेबल (प्यारा) शहर बना है। अहमदाबाद शहर के पूर्व तथा पश्चिम क्षेत्र का एक समान गति से विकास हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास तथा सबका प्रयास' से आगे बढ़ने के लिए लगातार प्रोत्साहन दिया है। किसी भी जाति और धर्म के नागरिक विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ सके ऐसे प्रयत्न किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सुशासन के आठ वर्ष पूरे हुए हैं। गुजरात को तो प्रधानमंत्री के नेतृत्व का लाभ 20 वर्ष से मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को कोविड की महामारी से उबारने की दिशा में एक अग्रणी पहल के रूप में देश के नागरिकों को मुफ्त टीके उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिनके पास घर नहीं है, छोटे अथवा झुपडपट्टी में रहने वाले लोगों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत शहर में 'घर का घर' सपना साकार हुआ है। महानगर पालिका द्वारा इन मकानों में लाइट, पानी, गैस जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जा रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात सरकार राज्य के नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त कहते हुए गुजरात में आज शिक्षा क्षेत्र में स्कूल ड्रॉप आउट रेशियो 38 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत तक आ गया है। राज्य के छात्रों को अब मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए बहार के राज्यों में जाने की जरूरत नहीं है।

कोरोना काल में नागरिकों को निःशुल्क टीकाकरण उपलब्ध कराकर महामारी में भी सरकार नागरिकों के साथ खड़ी रही है। साथ ही बजट में 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए घरेलू बीमारियों के परीक्षण और परिणाम उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है।

इसके अलावा सरकार नागरिकों को टेलीमेडिसिन, डायबिटीज जैसी बीमारियों के लिए निःशुल्क दवाईयाँ, 12 साल तक के बच्चों के लिए बड़ी बिमारियों के लिए निःशुल्क ऑपरेशन आदि जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं नागरिकों को प्रदान कर रही है।

सरकार लगातार औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के लिए प्रयासरत है। आज सरकार कानून व्यवस्था को मज़बूत बनाकर नागरिकों की सुरक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है।

इस अवसर पर अहमदाबाद महानगर पालिका के महापौर श्री किरीट कुमार परमार ने अपने सामयिक भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश सभी क्षेत्रों में विकास कर रहा है। कोरोना काल के कठिन समय में भी अहमदाबाद महानगर पालिका द्वारा विकास की गति नहीं रुकी है और अहमदाबाद शहर के नागरिकों के कल्याण के लिए विकास कार्यों को आगे बढ़ाते हुए 239 करोड़ रुपए के विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास तथा लोकार्पण किया गया है। अहमदाबाद के सर्वांगीण विकास के लिए महानगर पालिका लगातार कार्य कर रहा है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री प्रदीप परमार ने कहा कि देश तथा राज्य विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है। ऐसे में गुजरात के करोड़ों नागरिकों के लिए सुशासन निर्यात का पर्याय साबित हो रहा है।

गुजरात ने सदैव सुदूरवर्ती इंसान की चिंता की है। आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से आत्मनिर्भर गुजरात बनने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर महानगर पालिका आयुक्त श्री लोचन शहेरा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री प्रदीप परमार, महापौर श्री किरीट परमार, और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

अहमदाबाद और वडोदरा महानगरों की कुल 6 टाउन प्लानिंग स्कीम को मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सुनियोजित तरीके से शहरी विकास की दिशा में एक और सराहनीय निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने शहरी विकास में तेजी लाने के उद्देश्य से अहमदाबाद और वडोदरा मंप कुल 6 टाउन प्लानिंग स्कीम को मंजूरी दी है। इस स्कीम को मंज़ूरी मिलते ही संबंधित क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं और सड़कों के त्वरित क्रियान्वयन से नागरिकों को अधिक सुविधाएं उपलब्ध होगी। भूपेंद्र पटेल ने 1 प्रिलिमनरी टाउन प्लानिंग स्कीम, 1 फाइनल स्कीम के अलावा 4 ड्राफ्ट स्कीम मंज़ूरी की है। प्रिलिमनरी स्कीम में अहमदाबाद महानगर पालिका की टी.पी. स्कीम नं. 26 (मकरबा) तथा फाइनल स्कीम में अहमदाबाद महानगर पालिका की टी.पी. स्कीम नं. 37 (दाणीलीमडा उत्तर) शामिल है। इसके अलावा इस ड्राफ्ट टी.पी. स्कीम में वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण की ड्राफ्ट (1) टी.पी. स्कीम नं. 27/बी (बील), (2) टी.पी. स्कीम नं. 27/सी (चावड), (3) टी.पी. स्कीम नं.24 बी (भायली-गोकुलपुरा-रायपुरा) तथा (4) टी.पी. स्कीम नं. 42 (कोयली) शामिल है। मुख्यमंत्री द्वारा इस टाउन प्लानिंग स्कीम को दी गई मंज़ूरी के परिणामस्वरूप अहमदाबाद महानगर की 01 प्रिलिमनरी टी.पी. स्कीम तथा वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण की 4 ड्राफ्ट टी.पी. स्कीम सहित कुल पांच टी.पी. स्कीम मिलकर सामाजिक तथा आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के लोगों के आवास के लिए 51.84 हेक्टेयर ज़मीन, उद्यान, खेल-कूद के मैदान तथा खुले स्थान के लिए कुल 61.52 हेक्टेयर ज़मीन के अलावा सार्वजनिक सुविधाओं के लिए 52.89 हेक्टेयर ज़मीन प्राप्त होगी। यह पांच स्कीम के मिलकर लगभग कुल 46,400 ई.डब्ल्यू.एस. आवासों का निर्माण हो पाएगा।

वरिष्ठ नेताओं के कांग्रेस छोड़ने से हाईकमांड नाराज, बदल सकता है गुजरात प्रभारी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव के आडे चंद महीने रह गए हैं और प्रदेश कांग्रेस मजबूत होने के बजाए लगातार कमजोर होती जा रही है एक के बाद एक वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने से हाईकमांड नाराज है और जल्द ही गुजरात कांग्रेस का प्रभारी बदल सकता है राजीव सातव के निधन के बाद राजस्थान के मंत्री डॉ. रघु शर्मा को कांग्रेस ने गुजरात का प्रभारी बनाया था रघु शर्मा के गुजरात प्रभारी बनने के बाद कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने एक के बाद एक पार्टी छोड़ भाजपा या आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया आगामी दिनों में कई नेताओं के कांग्रेस छोड़ने की संभावना है कांग्रेस सूत्रों की मानें तो पार्टी के दिग्गज नेताओं के दल बदलने से पार्टी हाईकमांड प्रभारी रघु शर्मा से नाराज है और जल्द ही उनके स्थान पर मुकुल वासनिक को नियुक्त कर सकता है डॉ. रघु शर्मा के गुजरात कांग्रेस का प्रभारी बनने के बाद प्रदेश कांग्रेस से जयराजसिंह परमार, विधायक अश्विन कोटवाल, हार्दिक पटेल, दिनेश शर्मा, पूर्व विधायक स्व. अनिल जोशियारा के पुत्र केवल जोशियारी, श्वेता ब्रह्मभट्ट, दलपत वसावा, मणिलाल वाघेला, राज्य के पूर्व मंत्री खुमानसिंह वांसिया जैसे दिग्गज नेता कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए जबकि इंद्रनील राज्यगुरु और कैलाश गढवी ने आम आदमी पार्टी जॉइन कर ली जिसे लेकर कांग्रेस हाईकमांड काफी नाराज है प्रांतिज के पूर्व विधायक महेन्द्रसिंह बारैया और दहेगाम की पूर्व विधायक कामिनी बा भी कांग्रेस से नाराज चल रही हैं और दोनों नेता भाजपा के संपर्क में होने की खबर है संभावना है कि महेन्द्रसिंह बारैया और कामिनी बा भी भाजपा का भगवा धारण क सकती है दूसरी ओर गत 6 जून को कांग्रेस नेता कल्पेश पटेल ने मेहसाणा सर्किट हाउस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी इस मुलाकात के बाद चर्चा है कि कल्पेश पटेल आम आदमी पार्टी में जा सकते हैं ऐसे में माना जा रहा है कि राज्यसभा चुनावों के बाद कांग्रेस हाईकमांड डॉ. रघु शर्मा के स्थान पर मुकुल वासनिक को गुजरात प्रभारी नियुक्त कर सकता है साथ ही गुजरात विधानसभा के आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ निरीक्षक की नियुक्ति कर सकता है इसके अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मंत्रियों को गुजरात चुनावों की जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना है आनेवाले समय में विभिन्न चुनाव संबंधी समितियों का गठन किया जाएगा, जिसमें वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया जा सकता है

विख्यात बैंकर ग्रुप के अस्पतालों पर आयकर विभाग की छापेमारी, सूरत में भी कार्यवाही

वडोदरा (ईएमएस) शहर के विख्यात बैंकर ग्रुप के अस्पताल में आयकर विभाग की छापेमारी से हड़कम्प मच गया आयकर विभाग के अधिकारियों ने बुधवार की सुबह वडोदरा और पादरा समेत सूरत स्थित बैंकर ग्रुप के अस्पतालों में एक साथ रेड की आयकर विभाग की कार्यवाही में बड़े पैमाने पर काले धन का खुलासा होने की संभावना है अहमदाबाद के बाद आयकर विभाग ने अब वडोदरा का रुख किया है वडोदरा के न्यू अलकापुरी क्षेत्र निवासी डॉ. दर्शन बैंकर के निवास समेत उनके अस्पताल और दफ्तरों में आयकर अधिकारियों ने एक साथ छापेमारी की आयकर विभाग के 50 से ज्यादा अधिकारियों ने बैंकर ग्रुप के वारसिया रोड, ओल्ड पादरा, मांजलपुर स्थित अस्पताल के साथ ही पादरा स्थित इंस्टीटयूट में रेड की बैंकर ग्रुप के वडोदरा और सूरत स्थित अस्पताल और दफ्तरों पर आयकर विभाग की कार्यवाही जारी है, जिसमें करोड़ों के काले धन का खुलासा होने की संभावना है

पीएम मोदी 10 जून को नवसारी में 3054 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात के आदिजाति क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से आगामी 10 जून शुक्रवार को आदिजाति क्षेत्र नवसारी जिले के खुडवेल में 3,054 करोड़ रुपए की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों के अंतर्गत 7 योजनाओं का लोकार्पण, 12 योजनाओं का शिलान्यास तथा 14 योजनाओं का भूमिपूजन किया जाएगा। ये विकास कार्य दक्षिण गुजरात के नवसारी, सूरत, तापी तथा वलसाड ज़िलों के लोगों से जुड़े हुए हैं। इसके लिए खुडवेल में आयोजित होने वाले 'गुजरात गौरव अभियान' में प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में होने वाले 'गुजरात गौरव अभियान' में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के उपरांत केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश, राज्य के जलापूर्ति मंत्री रुषिकेश पटेल, वित्त मंत्री कनु देसाई, सड़क एवं भवन मंत्री पूर्णेश मोदी, आदिजाति विकास मंत्री नरेश पटेल, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, जलापूर्ति राज्य मंत्री जीतू चौधरी, शहरी विकास राज्य मंत्री विनोद मोरडिया, नवसारी के सांसद सी. आर. पाटिल सहित अन्य सांसद एवं विधायक भी उपस्थित रहेंगे।

आदिजाति क्षेत्र के नागरिक पीने के पानी के लिए मानव बल के उपयोग से पाताल से पानी सींचते आए हैं, परंतु पीने के पानी की उनकी स्थायी समस्या दूर करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी शुक्रवार को मधुबन बांध आधारित 586.16 करोड़ रुपए की एस्टोल समूह जलापूर्ति योजना का लोकार्पण करेंगे। इस योजना के लोकार्पित होते ही वलसाड ज़िले में धरमपुर तथा कपराडा के 174 गाँवों के 1,028 क़स्बों के लगभग 8.13 लाख नागरिकों को पीने का पानी मिलने लगेगा। बल्क पाइपलाइन, शुद्धीकरण प्लांट, पम्पिंग स्टेशन तथा इससे संबंधित कार्यों वाली यह मधुबन बांध आधारित एस्टोल समूह जलापूर्ति योजना जलापूर्ति अभियांत्रिकी कुशलता का चामत्कारिक आश्चर्य है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के सभी घरों में नल से शुद्ध जल पहुँचाने के लिए 'जल जीवन मिशन' का प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत आदिवासी क्षेत्र सहित गुजरात के 95 प्रतिशत से अधिक घरों में नल कनेक्शन द्वारा पीने का शुद्ध पानी पहुँचाया जा रहा है। इस क्षेत्र में पानी की समस्या के स्थायी निवारण के लिए 163 करोड़ रुपए की लागत वाली 'नल से जल' योजना का प्रधानमंत्री के हाथों लोकार्पण होने वाला है। इस योजना के माध्यम से दक्षिण गुजरात के सूरत, नवसारी, वलसाड एवं तापी ज़िलों के गाँवों के 16.51 लाख नागरिकों को घर में ही पीने के शुद्ध पानी की आपूर्ति की जाएगी। तदुपरांत तापी ज़िले के 2.77 लाख नागरिकों को विद्युत आपूर्ति करने के लिए 85.5 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित वीरपुर व्यारा सब स्टेशन का भी प्रधानमंत्री के करकमलों से लोकार्पण होगा।

इसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वलसाड जिले के वापी शहर में दूषित जल शुद्धीकरण के लिए 20.30 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित 14 एमएलडी क्षमता वाले सुएज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण करेंगे, जिससे वापी नगर के लगभग 1.80 लाख नागरिकों को शुद्ध पेयजल का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री सूरत, नवसारी, वलसाड एवं तापी जिलों के 11.29 लाख आदिजाति नागरिकों को पीने का शुद्ध पानी मुहैया कराने के लिए 549.26करोड़ रुपए की लागत वाली 8 जलापूर्ति योजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। दक्षिण गुजरात के आदिवासी बांधवों के लिए श्रृंखलाबद्ध विकास कार्यों की झड़ी के अंतर्गत नवसारी ज़िले में 33 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले खेरगाम से पीपलखेड तक की चौड़ी सड़क सुविधा का लाभ 3.75 लाख आदिवासी जनसंख्या तथा 27 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले नवसारी से बारडोली वाया सुपा फ़ोरलेन सड़क का लाभ 3.98 लाख जनसंख्या को मिलेगा। प्रधानमंत्री इन दोनों सड़कों का लोकार्पण करेंगे।

सभी नागरिकों को स्थानीय स्तर पर त्वरित-सस्ती उपचार सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से नवसारी जिले में 542.50 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित होने वाले टीचिंग हॉस्पिटल से लैस मेडिकल कॉलेज का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भूमिपूजन किया जाएगा। इसका लाभ नवसारी जिले के 10 लाख नागरिकों को मिलेगा। इसके अतिरिक्त तापी, नवसारी एवं सूरत जिलों के आदिजाति बांधवों के लिए 961.40 करोड़ रुपए की 13 जलापूर्ति योजनाओं का भी प्रधानमंत्री सहित महानुभावों के करकमलों से भूमिपूजन होगा, जिनका इन जिलों के 14.48 लाख लोगों को लाभ मिलेगा।

☐ मधुबन बाँध (वॉटर होल्डिंग ग्रॉस कैपेसिटी 567 मिलियन क्यूबिक मीटर) के पानी को पंपिंग स्टेशन्स से ऊपर उठाकर (थ्रू ऊम्प्हग्लि) लोगों के घरों तक पानी पहुँचाना की योजना है

☐ इस प्रोजेक्ट के तहत 28 पंपिंग स्टेशन्स स्थापित किए गए, जिनकी क्षमता 8 मेगावॉट वोल्ट एम्पियर (श्र्ँ) है जो रोज़ाना लगभग 7.5 करोड़ लीटर पीने का पानी 4.50 लाख लोगों तक पहुँचाएंगे।

☐ इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 81 किमी. की पंपिंग लाइन और 855 किमी. की डिस्ट्रिब्यूशन लाइन और 340 किमी. लंबी छोटी-छोटी बस्तियों तक पानी पहुँचाने के लिए पाइपलाइन बिछाई गई

☐ शुद्ध पीने के पानी की उपलब्धता के लिए दो फिल्टर प्लान्ट (प्रत्येक की क्षमता 3.3 करोड़ लीटर पानी प्रति दिन) की स्थापना, जिसकी कुल क्षमता 6.6 करोड़ लीटर पानी प्रति दिन है।

☐ पानी को स्टोर करने के लिए इन क्षेत्रों में 6 ऊँची टंकियों (0.47 करोड़ लीटर की क्षमता), 28 अंडर ग्राउंड टैंकियों (7.7 करोड़ लीटर की क्षमता) और गाँवों व बस्तियों में ज़मीन स्तर के 1202 टंकियों (4.4 करोड़ लीटर की क्षमता) का निर्माण किया गया है।

पाइपलाइन को बिछाने में भी किया गया है विशेष तकनीक का उपयोग

☐ यहाँ ज़मीन की संरचना के अनुसार ही यहाँ पाइपें बिछाई गईं जो कि कहीं पर ऊंची हैं तो कहीं पर नीची हैं

☐ इस वजह से इन पाइपों में कुछ-कुछ स्थानों पानी का दबाव सामान्य है तो कुछ स्थानों में पानी का दबाव सामान्य की अवस्था बहुत अधिक (40 प्रति किग्रा. सेन्टीमीटर स्कॉयर) है। यह दबाव इतना अधिक है कि पाइपलाइनों को काफी अधिक नुकसान पहुंचा सकता है

☐ इस समस्या के समाधान के रूप में मुख्य पाइप के अंदर इसमें 12 मिमी. मोटाई की माइल्ड स्टील पाइप का उपयोग किया है, ताकि मुख्य पाइप को फटने से बचाया जा सके।

बोरवेल में गिरा 3 साल का बच्चा, सेना के जवानों ने सुरक्षित निकाला बाहर

सुरेन्द्रनगर (ईएमएस) जिले के दुदापुर गांव के बोरवेल में गिरे तीन साल के बच्चे को भारतीय सुरक्षा बल के जवानों द्वारा सुरक्षित बाहर निकाले जाने से माता-पिता समेत प्रशासन ने राहत की सांस ली है तीन साल के बच्चा खेलते खेलते 500 फूट गहरे बोरवेल में गिर गया था राहत की बात यह है कि बच्चा 30 फूट नीचे जाकर फंस गया था घटना मंगलवार रात की है, जब सुरेन्द्रनगर जिले की धांगधा तहसील के दुदापुर गांव के कालु रबारी के खेत में श्रमिक परिवार का बच्चा शिवम खेलते खेलते बोरवेल में जा गिरा परिवार ने पहले बच्चे को निकालने का प्रयास किया, लेकिन असफल होने पर गांव के सरपंच को घटना की जानकारी दी गई घटना की खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड, प्रांत अधिकारी, तहसीलदार, पुलिस, एनडीआरएफ और भारतीय सेना की टीम मौके पर पहुंच गई और बच्चे को बोरवेल से बाहर निकालने की कवायद शुरू कर दी गनीमत रही कि 500 फूट गहरे बोरवेल में शिवम 30 फूट नीचे फंस गया था सेना के जवानों ने अपनी सूझ बूझ से शिवम को 40 मिनट में बोरवेल से सुरक्षित बाहर निकाल लिया रात करीब 8 बजे शिवम बोरवेल में गिरा था और रात 10.30 बजे के आसपास उसे बोरवेल से बाहर निकाला गया और प्राथमिक उपचार के बाद सुरेन्द्रनगर के सिविल अस्पताल रिफर किया गया

यात्रियों की सुविधा हेतु वस्त्रापुर स्टेशन पर रेल टिकट आरक्षण सुविधा पुनः शुरू

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु वस्त्रापुर स्टेशन पर रेल टिकट आरक्षण सुविधा केन्द्र **(PRS)** 09 जून, 2022 (गुरूवार) से शुरू हो जाएगा। बोटाद-गांधीग्राम गेज रूपांतरण के दौरान इस आरक्षण केन्द्र को बंद किया गया था। वस्त्रापुर स्टेशन पर आरक्षण केन्द्र सोमवार से शनिवार सुबह 8:00 बजे से 20:00 बजे तक खुला **(Open)** रहेगा तथा रविवार के दिन आरक्षण केन्द्र दोपहर 14:00 बजे तक खुला रहेगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे आरक्षण केन्द्र का अधिक से अधिक लाभ लें।

करीब तीन महीने बाद गुजरात में कोरोना के नए केसों की संख्या 100 के पार

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में फिर एक बार कोरोना के नए मामलों में लगातार वृद्धि होने लगी है करीब तीन महीनों के बाद आज कोरोना के केसों की संख्या 100 को पार कर गई है स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में राज्यभर में कोरोना के 111 नए मरीज सामने आए हैं अंतिम बार 3 मार्च 2022 को गुजरात में कोरोना के 128 नए केस सामने आए थे, जिसके 97 दिनों के बाद राज्य में कोविड के 111 नए मरीज दर्ज हुए हैं जबकि 29 मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर घटकर 99.07 प्रतिशत हो गया है 111 नए केसों के साथ राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या 445 हो गई है, हांलाकि सभी स्टेबल हैं पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक 48 केस अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए हैं वडोदरा कॉर्पोरेशन में 25, सूरत कॉर्पोरेशन में 8, राजकोट में 7, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 5, वलसाड में 5, अहमदाबाद, आणंद, जामनगर कॉर्पोरेशन, राजकोट और सूरत में 2-2, मेहसाणा, जामनगर और मोरबी में कोरोना का एक-एक केस सामने आया इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 23, वडोदरा कॉर्पोरेशन, सूरत कॉर्पोरेशन, गांधीनगर कॉर्पोरेशन, सूरत, नवसारी और पाटन में 1-1 समेत 29 लोग स्वस्थ होकर अपने घरों को लौट गए राज्य में अब तक 1214309 नागरिक कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 10944 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है दूसरी ओर राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत आज 46347 नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया 18 वर्ष से अधिक के 1047 लोगों को पहला और 15252 को दूसरा डोज दिया गया 15 से 17 वर्षीय 120 को पहला और 1116 को दूसरा टीका लगाया गया 20636 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया वहीं 12 से 14 वर्षीय 1028 किशोरों को पहली और 7148 किशोरों को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई गुजरात में अब तक 11 करोड़ 03 लाख 27 हजार 346 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है

ट्रैफिक एवं पॉवर ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेंगी

अहमदाबाद 9 जून, 2022 को नवसारी-मरोली और अमलसाड-वेड़छा स्टेशनों के बीच दो सड़क ऊपरी पुलों के निर्माण के लिए ट्रैफिक एवं पॉवर ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनों को रेगुलेट किया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

9 जून, 2022 को ट्रेनों को रेगुलेट होने वाली ट्रेनें:

1. ट्रेन नंबर 12926 अमृतसर-बांद्रा टर्मिनस पश्चिम एक्सप्रेस 1 घंटा 30 मिनट रेगुलेट की जाएगी।
2. ट्रेन नंबर 22954 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल गुजरात सुपरफास्ट एक्सप्रेस 1 घंटा 25 मिनट रेगुलेट की जाएगी।
3. ट्रेन नंबर 22475 हिसार-कोयंबटूर एक्सप्रेस 45 मिनट में रेगुलेट की जाएगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त7 परिवर्तन को ध्यान में रखें। पश्चिम रेलवे द्वारा उपरोक्त असुविधा के लिए खेद व्येक्ति किया गया है।

कोलक की जीवन रेखा बनी 'नल से जल' योजना

गांधीनगर (ईएमएस) वलसाड़ जिले की पारडी तहसील में स्थित कोलक गांव समुद्र तट पर बसा हुआ है। खारे पानी की समस्या के कारण इस गांव के लोग पिछले अनेक वर्षों से शुद्ध पेयजल की दिक्कतों को लेकर परेशान थे। इस समस्या के कारण तटीय इलाकों के किसानों के लिए खेती करना भी दुभर हो गया था। लवणीय-क्षारीय भूमि होने के कारण गांव में बोरवेल का पानी भी खारा हो गया था, इसके चलते ग्रामीणों को पेयजल की बड़ी समस्या से जूझना पड़ता था। कोलक गांव की समस्या को हल करने के लिए राज्य सरकार ने दृढ़ संकल्प करते हुए समयबद्ध आयोजन किया। अब परिस्थिति में बदलाव आया है तथा कोलक गांव में खुशियों की धारा बह रही है और 'नल से जल' योजना कोलक गांव की जीवन रेखा बनी है। राज्य सरकार ने इस गांव में मीठे पानी की आपूर्ति के लिए लगभग 35-40 वर्षों पूर्व लोहे की पाइपलाइन बिछाई थी। लंबा समय बीतने से वह पाइपलाइन गल-सड़ गई थी। इसके चलते पानी का दबाव कम हो गया था और गांव के मध्य एक ही नल में पीने का पानी भी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलता था। परिस्थिति इतनी खराब थी कि गांव के लोगों को बमुश्किल एक समय ही पानी मिल पाता था। ऐसे समय में केंद्र और राज्य सरकार की ओर से जनहितकारी योजना 'नल से जल' लागू की गई और इसके अंतर्गत कोलक गांव में जलापूर्ति के लिए 43,07,253 रुपए आवंटित किए गए। योजना के तहत गांव में मौजूद पुरानी पाइपलाइन को हटाकर उसकी जगह 75 एमएम से लेकर 160 एमएम व्यास वाली नई पाइपलाइन बिछाई गई। पार नदी का पानी कोलक गांव में बनाई गई 80,000 लीटर क्षमता वाली टंकी तक पहुंचाने के बाद, उस पानी को ग्रामीणों को घर तक पहुंचाने का आयोजन किया गया। इस योजना के लिए आवंटित फंड में से 25,38,000 रुपए के खर्च में ही इन सभी कार्यों को पूरा कर लिया गया। कोलक गांव के उप सरपंच अजीम निजामुद्दीन ने कहा कि, "हमारा गांव समुद्र तट पर बसा होने के कारण गांव के अंदर खारे पानी के स्रोत हैं। लेकिन जल एवं स्वच्छता प्रबंधन संगठन (वास्मो) के जरिए 'नल से जल' योजना के कारण लोगों के घरों तक समय पर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हो रही है। इसके लिए कोलक ग्राम पंचायत सरकार और वास्मो का आभार व्यक्त करती है।" 'नल से जल' योजना नागरिकों के लिए जीवन रेखा बनी है। क्योंकि सरकार ने विपरीत परिस्थितियों में भी घर-घर पीने का शुद्ध पानी पहुंचाया है, जो अपने आप में एक अनूठी उपलब्धि है। इसके लिए जनता केंद्र एवं राज्य सरकार को धन्यवाद देती है।

गुजरात में मॉनसून के आगमन से पहले आकाशीय बिजली से तीन लोगों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में अभी मॉनसून के दस्तक देने से पहले आकाशीय बिजली ने तीन लोगों की जान ले ली मंगलवार को अमरेली में दो युवक और पाटन जिले में बिजली गिरने से एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई मौसम विभाग ने जल्द ही राज्य में गरज के साथ मूशलाधार बारिश के संकेत दिए हैं मंगलवार को प्री मॉनसून एक्टिविटी के तहत गुजरात के कई जिलों में तेज बारिश के बीच बिजली गिरी बिजली गिरने की तीन अलग अलग घटनाओं में महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई पाटन जिले में बीती शाम अचानक बदले मौसम के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई जिले की सांतलपुर के झंडाला गांव में तेज हवा चलने से 10 घरों की छतें उड़ गई हारिज के रोडा गांव में गरज के साथ बारिश के दौरान बिजली गिरने से रीमू वरशुमजी ठाकोर नामक एक महिला की मौत हो गई यह घटना उस समय हुई जब महिला खेत में काम कर रही थी सुरेन्द्रनगर जिले की लींबडी तहसील के जांबु और नटवरगढ़ के बीच देर रात बिजली गिरने की घटना में बाइक सवार 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई युवक मोटर साइकिल पर लींबडी से जांबु की ओर जा रहा था बिजली गिरने से युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई सुरेन्द्रनगर जिले के कठेची गांव के नल सरोवर क्षेत्र में बिजली गिरने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई बता दें कि मंगलवार को गुजरात के अमरेली, भावनगर और पाटन समेत कई जिलों में बारिश हुई थी अमरेली के सावरकुंडला और लाठी में मूशलाधार बारिश के साथ ओले भी बरसे दो ईंच से अधिक हुई बारिश से अमरेली की शेत्रुंजी नदी में बाढ़ आ गई

पति दूसरी पत्नी को डराता, पहली पत्नी की आत्मा देवरानी में रहती है

अहमदाबाद, ८ जून।

शहर में रहती एक महिला ने अपने ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। यह महिला के पहले एक युवक के साथ शादी हुई थी। लेकिन बाद में मनमेल नहीं होने पर उसने तलाक ले लिया था और पहले पति से हुए संतानों के साथ इसने अन्य एक युवक के साथ शादी की थी। इस तरह पहले और दूसरे पति के बच्चों के साथ यह महिला ने घर संसार स्थापित किया। लेकिन इसका पति अक्सर पैसे की मांग करके परेशान करता था और इसके साथ ही इसके जेठ-जेठानी देवर देवरानी और पति डराता था। यह महिला की दूसरी पति की पहली पत्नी ने आत्महत्या किए जाने से इसकी आत्मा इसकी देवरानी में रहती है यह कहकर इसे डराकर रखते थे। यह मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। मूल मध्यप्रदेश की और हाल अहमदाबाद के नारणपुरा में रहती ४३ वर्षीय महिला अपने संतानों के साथ रहती है। यह महिला की पहली शादी वर्ष १९९८ में दाहोद में रहते एक युवक के साथ हुई थी। जिसके द्वारा संतान में एक बेटी और एक बेटा है। बाद में इसके पति के साथ मेलमिलाप नहीं होने पर यह महिला ने वर्ष २०१२ में इंदोर में अपने पति से तलाक लिया था और बाद में इसके मां-पिता भाई-बहन के साथ रहती थी। वर्ष २०१४ में दाहोद में रहते अन्य एक युवक के साथ इंदोर में यह महिला ने कोर्ट मैरिज किया था। शादी के बाद यह महिला अपने पति सास जेठ जेठानी